शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 289 | गुवाहाटी | मंगलवार, 26 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

देश के अधिकांश क्षेत्रों में अगले चार-पांच दिनों तक गर्मी से राहत के आसार नहीं पेज 2
यूसीसी के जरिए बहुविवाह और बाल विवाह पर लगेगी रोक : अतुल बोरा पेज 3
मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण की परंपरा को किया पुनर्जीवित : मंत्री सुमित गोदारा पेज 5
फ्रेंच ओपन 2026 : नोवाक जोकोविच ने पहले दौर में जियोवानी म्पेत्शी ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

गलती तो हर मनुष्य कर सकता है, किंतु उस पर दृढ़ केवल मुर्ख ही होते हैं।

-सिसरो

असम विस में पेश हुआ यूसीसी विधेयक

विवाह और उत्तराधिकार के लिए समान कानूनी ढांचा प्रस्तावित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा में सोमवार को यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी), असम 2026 विधेयक पेश किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य के सभी निवासियों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार तथा लिव-इन संबंधों को लेकर एक समान नागरिक कानूनी ढांचा स्थापित करना है। हालांकि, संविधान द्वारा प्रदत्त विशेष संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अनुसूचित जनजातियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। प्रस्तावित विधेयक में धर्म आधारित व्यक्तिगत कानूनों की जगह एक समान व्यवस्था लागू करने की बात कही गई है, जिससे समानता और लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सके। विधेयक के अनुसार राज्य में एक पत्नी प्रथा अनिवार्य होगी तथा विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम् आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष निर्धारित की गई है। साथ ही सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए वैदिक विवाह, अहोम चकलोंग, सप्तपदी, निकाह, होली यूनियन और आनंद कारज जैसी पारंपरिक एवं धार्मिक विवाह पद्धतियों को मान्यता दी गई है। विधेयक के तहत राज्यभर में विवाह और तलाक का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। विवाह संपन्न होने के 60 दिनों के भीतर दंपत्ति को सब-रजिस्ट्रार के पास विवाह ज्ञापन जमा करना होगा। तलाक के लिए क्रूरता, परित्याग और आपसी सहमति जैसे समान आधार निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की अभिरक्षा सामान्यत: मां को दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

उत्तराधिकार संबंधी मामलों में विधेयक में पति-पत्नी, बच्चों और माता-पिता को समान रूप से क्लास-1 उत्तराधिकारी के रूप में शामिल करते हुए लैंगिक समानता आधारित व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। साथ ही प्रत्येक वयस्क और स्वस्थ मस्तिष्क वाले व्यक्ति को लिखित एवं साक्ष्ययुक्त वसीयत बनाने का कानूनी अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। आधुनिक पारिवारिक व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए विधेयक में लिव-इन संबंधों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत एक महीने के भीतर लिव-इन संबंध का पंजीकरण अनिवार्य होगा। ऐसे संबंधों से जन्म लेने वाले बच्चों को पूर्ण वैधता प्रदान की जाएगी तथा परित्यक्त साथी -शेष पृष्ठ दो पर

जरूरत पड़ने पर होगी ऑन-रिकॉर्ड चर्चा : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विधेयक पेश करने से ऐसे कानून की आवश्यकता पर ऑन-रिकॉर्ड चर्चा का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह देश के संस्थापकों द्वारा दिखाए गए रास्ते को साकार करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता 2026 विधेयक को पेश किया गया।

यूसीसी की असम को आज आवश्यकता क्यों है और यह हमारे देश के संस्थापकों द्वारा परिकल्पित मार्ग को साकार करने में कैसे मदद करेगा, इस पर ऑन-रिकॉर्ड चर्चा का मार्ग प्रशस्त करता है। असम विधानसभा के कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री की ओर से विधानसभा में राज्य के लिए समान नागरिक संहिता, 2026 बिल पेश किया। 16वीं असम विधानसभा के पहले सत्र का सोमवार को तीसरा दिन था। विधेयक में बहुविवाह पर -शेष पृष्ठ दो पर

लिव-इन रिलेशनशिप का एक महीने में नहीं कराया रजिस्ट्रेशन तो होगी जेल!

गुवाहाटी। असम में बिना शादी के किसी के साथ रिलेशनशिप (लिव-इन) में रहना अब भारी पड़ने वाला है। असम विधानसभा में सोमवार, 25 मई 2026 को समान नागरिक संहिता

(यूसीसी) विधेयक पेश कर दिया गया है। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने इस विधेयक को पटल पर रखा। जिस पर विस्तृत चर्चा बुधवार, 27 मई को होगी। उत्तराखंड और गुजरात के बाद असम देश का तीसरा ऐसा राज्य बन गया है, जो इस कानून को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ा है। असम समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026, शादी, तलाक, संपत्ति के उत्तराधिकार (सक्सेशन) और लिव-इन रिलेशनशिप के मामलों में सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून व्यवस्था बनाता है। यह कानून अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें इस दायरे से पूरी तरह बाहर रखता है। यह समाज में पूरी समानता और लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग धर्मों के पर्सनल लॉ की जगह लेगा। यह विधेयक लिव-इन रिलेशनशिप के लिए पहली बार नए नियम ला रहा है। जिसके तहत एक महीने के भीतर इसका रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। इसके तहत लिव-इन रिलेशनशिप से पैदा होने वाले किसी भी बच्चे को पूरी तरह से कानूनी माना जाएगा। साथ ही, अगर कोई पार्टनर लिव-इन रिलेशनशिप में -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के चुराचांदपुर और इंफाल क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि चलाए गए एक अभियान -शेष पृष्ठ दो पर

9वीं के छात्र ने छह साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

अगरतला। त्रिपुरा के खोवाई जिले में 9वीं कक्षा के छात्र ने अपने पड़ोस में रहने वाली छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। आरोपी ने बच्ची को फूलों का लालच देकर घर पर बुलाया और फिर उसका बलात्कार किया। त्रिपुरा में यह घटना शनिवार को हुई। पुलिस ने बच्ची के पिता के शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पीड़ित बच्ची के -शेष पृष्ठ दो पर

इबोला को लेकर केंद्र अलर्ट नड्डा ने की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली (हि.स.)। इबोला वायरस के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार सतर्क है। सोमवार को इसको लेकर देश भर में की गई तैयारियों की समीक्षा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा

ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में इबोला वायरस की रोकथाम एवं निगरानी व्यवस्थाओं को लेकर जे पी नड्डा ने निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ इबोला को लेकर स्वास्थ्य सचिव ने विभिन्न मंत्रालयों और संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक की। स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने देश -शेष पृष्ठ दो पर

कर्ज बढ़ा, निवेश सीमित : असम की वित्तीय स्थिरता पर कैग ने जताई चिंता

गुवाहाटी / नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने सोमवार (25 मई, 2026) को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपनी रिपोर्ट में असम सरकार की राजकोषीय स्थिरता पर चिंता व्यक्त की, जिसमें राज्य में बढ़ते ऋण भार, उच्च निर्धारित व्यय और सीमित पूंजी निवेश की ओर इशारा किया गया। विधानसभा में पेश की गई 2024-25 के लिए राज्य वित्त

संबंधी रिपोर्ट में कैग ने यह भी कहा कि उपयोग प्रमाण पत्र जमा करने में देरी, विभागीय उपक्रमों और स्वायत्त निकायों के लंबित खातों के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग प्रभावित हो रही है। इसमें कहा गया है कि राज्य की अर्थव्यवस्था ने 2024-25 वित्तीय वर्ष के दौरान मध्यम वृद्धि दर्ज की, जिसमें सकल राज्य घरेलू उत्पाद ने 2023-24 वित्तीय वर्ष की तुलना में 13.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में राज्य का योगदान 1.95 प्रतिशत है, और पिछले पांच वर्षों में इस आंकड़े में वृद्धि का रुझान देखा गया है। 2024-25 के दौरान, राज्य की राजस्व प्राप्तियों में 5.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण संघ करों और शुल्कों में राज्य की हिस्सेदारी में वृद्धि, उच्च कर संग्रह, विशेष रूप से एसजीएसटी के तहत कर संग्रह में वृद्धि थी। हालांकि, कैग -शेष पृष्ठ दो पर

नीलम मीणा बनी पश्चिम बंगाल की नई मुख्य निर्वाचन अधिकारी

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग ने आज नीलम मीणा को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया। मीना भारतीय प्रशासनिक सेवा की 1998 बैच की पश्चिम बंगाल कैडर की अधिकारी हैं। वह मनोज कुमार अग्रवाल का स्थान लेंगी, जो अब राज्य के मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। अग्रवाल को राज्य के नौवें मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद मुख्य सचिव बनाया गया। इसके बाद, पश्चिम बंगाल सरकार ने अग्रवाल के उत्तराधिकारी के लिए तीन भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का एक पैनल आयोग को भेजा। आयोग को भेजे गए तीन अधिकारियों में मीणा सबसे -शेष पृष्ठ दो पर

दस दिन में चौथी बार बढ़े ईंधन के दाम, पेट्रोल 2.61 रुपए, डीजल 2.71 रुपए हुआ महंगा

नई दिल्ली (हि.स)। पश्चिम एशिया संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज एक बार फिर इजाफा किया है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपए प्रति लीटर, जबकि डीजल के दाम 2.71 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए हैं। पिछले 10 दिन में यह चौथी बढ़ोतरी हैं। नई दरें लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल के वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 102.12 रुपए

प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 99.51 रुपए प्रति लीटर थी। वहीं, डीजल के दाम 2.71 रुपए बढ़कर 95.20 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं, जो पहले 92.49 रुपए प्रति लीटर था। इसके अलावा कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, जहां 2.87 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। मुंबई में इसका भाव 111.21 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जबकि चेन्नई में कीमत 107.77 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई। इसी तरह कोलकाता में डीजल की -शेष पृष्ठ दो पर

ईंधन के बढ़ते दामों से जनता पर बोझ बढ़ता ही जा रहा : कांग्रेस

बेंगलुरु (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला और कहा कि इससे आम लोगों पर खर्च का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। सुरजेवाला ने सोमवार को यहां पार्टी के जिला अध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक के बाद एक्स पोस्ट में कहा कि स्वतंत्रता के 78 वर्षों में पहली बार पेट्रोल की कीमत 110 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

डरने की जरूरत नहीं, ग्लोबल चेलेंजस के बावजूद भारत की इकोनॉमी स्ट्रांग : वित्तमंत्री

नई दिल्ली। विपक्ष के पेट्रोल की कीमतों में बार-बार बढ़ोतरी से अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर बुरा असर पड़ेगा- ऐसे दावे के बीच केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत की घरेलू आर्थिक स्थिति सकारात्मक और मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि

सरकार की ओर से, लगभग 76 दिनों से हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा है कि जनता पर कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े। हमने इस वर्ष उत्पाद शुल्क में कटौती के माध्यम से 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वार्षिक राहत प्रदान की है। यदि हमने उस समय ये कटौतियां नहीं की होतीं, तो कीमतें ठीक उसी समय 10 रुपए प्रति लीटर बढ़ जातीं। लेकिन वर्तमान में कीमतों में वृद्धि तेल विपणन कंपनियों की ओर से हो रही है, क्योंकि वे ही तेल की खरीद और बिक्री करती हैं। एसआईडीबीआई स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत भय फैलाने का जोखिम नहीं उठा सकता; हमें अपने शब्दों -शेष पृष्ठ दो पर

गंगा दशहरा पर बड़ा हादसा, स्नान के दौरान नदी में डूबे 31 श्रद्धालु, सात की मौत

बदायूं। गंगा दशहरा पर स्नान करते समय सोमवार को बदायूं व बरेली में 31 श्रद्धालु डूब गए। इनमें सात की मौत हो गई, एक बच्ची पानी में लापता है। शेष को गोताखोरों

ने समय रहते बाहर निकाल लिया। बदायूं में डीएम अविनाश राय व एसएसपी अंकिता शर्मा गंगा घाट पर पहुंचकर लोगों से गहरे पानी में नहीं जाने की अपील करती रहीं। इसके बावजूद, कई श्रद्धालु गंगा में आगे बढ़ते रहे। सुबह आठ बजे हाथरस के गांव कानऊ निवासी ओमवीर अपने बेटे नीलेश और रिश्तेदारों के साथ कछला पहुंचे थे। वे सभी मुख्य घाट से एक किमी दूर एकांत में गंगा स्नान कर रहे थे। उसी समय नीलेश, विकास, चार वर्षीय कृष्णा, नीलेश की मौसी शालिनी, 10 वर्षीय -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कार 2026 का भव्य समारोह

अभिनेता धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक नागरिक अलंकरण समारोह में बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र और शास्त्रीय संगीतकार एवं वायलिन वादक एन राजम को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया। कला के क्षेत्र में असाधारण एवं विशिष्ट योगदान के लिए धर्मेंद्र को दिया गया यह पुरस्कार उनकी पत्नी और सांसद

हेमा मालिनी ने ग्रहण किया। राजम को भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके अहम योगदान के लिए, खासकर *गायकी अंग* शैली के माध्यम से वायलिन प्रस्तुति को नया स्वरूप प्रदान करने के लिए दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। राजम ने पंडित ओंकारनाथ ठाकुर से संगीत के गुर सीखे थे। मुर्मू ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी; चुनौतियों का सामना कर रहे पारंपरिक भारतीय कला *अवधान* को पुनर्जीवित करने वाले शतावधानी आर गणेश; कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय सुरेश कुमार कोटक; और उदर रोग विशेषज्ञ कल्लीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी को पद्म भूषण से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने विज्ञापन गुरु पीयूष पांडे और पूर्व सांसद विजय कुमार मल्होत्रा को भी मरणोपरांत इस सम्मान से नवाजा। पांडे -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह का सीमावर्ती राज्यों का दौरा, सुरक्षा व्यवस्था का लेंगे जायजा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार रात से भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के एक बड़े दौरे पर निकल रहे हैं। इस दौरे का मकसद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को और बेहतर बनाना है। केंद्र सरकार

बदलते सुरक्षा खतरों को देखते हुए सीमा प्रबंधन को मजबूत करने पर लगातार ध्यान दे रही है। यह दौरा उसी रणनीति का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री राजस्थान, गुजरात, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्यों का दौरा करेंगे। अपनी यात्रा के पहले चरण में शाह 25 मई सोमवार की रात को राजस्थान के बीकानेर पहुंचेंगे। यहां से उनके विस्तृत दौरे की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

देश के अधिकांश क्षेत्रों में अगले चार-पांच दिनों तक गर्मी से राहत के आसार नहीं

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के मध्य और उत्तर-पश्चिम इलाके में भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से अगले चार-पांच दिनों तक राहत मिलने के आसार नहीं हैं। दिल्ली-एनसीआर में अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 43-45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29-31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार मंगलवार को हवाओं की गति 20-30 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। 27 मई को आसमान साफ रहने के आसार हैं, लेकिन लू चलने की स्थिति जस-की तस रहने का अनुमान है। इस दिन अधिकतम तापमान 43-45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30-32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 28 मई को हल्के बादल छाए रहने और शाम के दौरान हल्की वर्षा होने के आसार हैं। हवाओं की गति भी 40-50 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है लेकिन बीच-बीच में हवाओं की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा तक भी पहुंच सकती है। इस दिन का अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 31-33 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30-32 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 4-5 दिनों के दौरान तथा पूर्वी और उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में अगले 3-4 दिनों के दौरान भीषण लू की स्थिति जारी रहने के आसार हैं। 29 मई से राजस्थान के कुछ हिस्सों को छोड़कर मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय, पूर्वी तथा उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में कमी आने और लू की स्थिति से राहत मिलने का अनुमान है। अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में तथा अगले 2-3 दिनों के दौरान केरल एवं तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश में 28-29 मई, उत्तराखंड में 28-31 मई, कोंकण, गोवा में 26-28 मई और मध्य महाराष्ट्र में 27-28 मई को गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 25-28 मई तक, उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर 25-27 मई तक, राजस्थान में 25-30 मई तक, मध्य प्रदेश में 25-29 मई तक, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में 25-28 मई तक, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 26-27 मई तक भीषण लू चलने की चेतावनी दी गई है। वहीं, केरल और माहे के कुछ अलग-अलग स्थानों पर 11-20 सेमी तक भारी वर्षा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय के कुछ अलग-अलग स्थानों पर 7-11 सेमी तक भारी वर्षा दर्ज की गई।

चीन से हैदराबाद में मरीज का सफल ऑपरेशन कर भारतीय डॉक्टर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। स्वास्थ्य और तकनीक की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय यूरोलॉजिस्ट डॉ. सैयद मोहम्मद गौस ने चीन के वुहान में बैठकर भारत के हैदराबाद में मौजूद एक मरीज की सफल रोबोट-असिस्टेड सर्जरी की। करीब 3,000 किलोमीटर दूर से की गई यह सर्जरी आधुनिक टेलीमेडिसिन और 5जी तकनीक के क्षेत्र में बड़ी सफलता मानी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यह ब्लैडर रिकंस्ट्रक्शन (यूरेटरल रीइम्प्लांटेशन) सर्जरी थी, जो लगभग 90 मिनट तक चली। इस उपलब्धि को भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जींग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने लिखा कि चीन में विकसित रोबोटिक तकनीक और 5जी नेटवर्क की मदद से सीमाओं को पार करते हुए जीवन बचाने वाली चिकित्सा संभव हो रही है। ऑपरेशन शुरू होने से पहले टोंगजी हॉस्पिटल के डॉक्टरों और हैदराबाद की मेडिकल टीम ने ऑनलाइन मरीज की मेडिकल रिपोर्ट की संयुक्त समीक्षा की। इसके बाद रोबोटिक आर्म्स की मूवमेंट और सर्जिकल प्लान तैयार किया गया।

महाराष्ट्र में चार बच्चों को कुएं में फेंक कर पिता ने की आत्महत्या

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में सोमवार को सुबह पत्नी से परेशान एक शख्स ने अपने चार बच्चों को कुएं में फेंककर खुद फंदा लगा कर आत्महत्या कर लिया। जामोद ग्रामीण पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल से पांचों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना की गहन छानबीन जारी है। गांव में एक ही समय में पांच शव मिलने से हड़कंप मच गया है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना में आत्महत्या करने वाले शख्स की पहचान विजय मुसा किराडिया (35) के रूप में की गई है। विजय किराडिया अपने बच्चों के साथ जामोद तहसील के राजुरा इलाके भाले अंजन गांव में रहता था। विजय का उसकी पत्नी के साथ हमेशा विवाद होते रहता था। इसी वजह विजय ने रविवार को अपनी पत्नी रीना किराडिया को उसके मायके छोड़ दिया था। आज सुबह विजय घर का काम कर रहा था, उसी समय किसी व्यक्ति ने उससे पूछा कि तुम्हारी पत्नी कहां है, जिससे उसे घर का काम करना पड़ रहा है। इसके बाद विजय ने अपने बच्चों को साथ लिया और राजुरा के एक कुंएं में चारों बच्चों को फेंक दिया। इसके बाद विजय ने एक पेड़ से लटक कर खुद आत्महत्या कर लिया।

कश्मीर के गुलमर्ग रोपवे में खराबी

500 फीट उंचाई पर 65 ट्रॉलियों में फंसी 300 पर्यटकों को किया गया रेस्क्यू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में एशिया के सबसे ऊंचे रोपवे गोंडोला (रोपवे) में सोमवार को तकनीकी खराबी आने से करीब 300 पर्यटक बीच हवा में फंस गए। करीब सात घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रोपवे के 65 केबिन दोपहर करीब 1.30 बजे बीच हवा में रुक गए थे। कुछ केबिन जमीन से करीब 500 फीट की ऊंचाई पर थे। एक केबिन में 6 लोग बैठ सकते हैं। भारी बारिश के बीच एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। शाम 8.30 बजे रेस्क्यू खत्म हुआ। भारतीय सेना ने एक्स पर बताया कि शुरुआती पांच घंटों में 179 पर्यटकों को निकाला गया था। ज्यादातर लोगों को रस्सियों और सीढ़ियों के सहारे नीचे उतारा गया। इनमें कई महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी थे। गुलमर्ग गोंडोला दो फेज में बंटा है। पहला फेज गुलमर्ग को कोंगडोरी से जोड़ता है। दूसरा फेज कोंगडोरी से अफरवात स्टेशन तक जाता है। दोनों रूट में कुल 108 केबिन कार हैं। श्रीनगर से गुलमर्ग गोंडोला की दूरी 51 किमी है। सूत्रों के मुताबिक, गुलमर्ग गोंडोला में रविवार को भी तकनीकी गड़बड़ी आई थी, हालांकि मरम्मत के बाद सोमवार को सेवा दोबारा शुरू कर दी गई थी। 24 घंटे के भीतर दूसरी बार फिर से तकनीकी खराबी आ गई, जिससे सैकड़ों पर्यटक फंस गए। इससे पहले गुलमर्ग गोंडोला में 25 जून 2017 को हादसा हुआ था। तेज आंधी के दौरान एक पेड़ गोंडोला की केबल लाइन पर गिर गया। इससे एक केबिन जोर से झूलने लगा और उसके शीशे टूट गए।

ईसी ने शुरू की जोखिम प्रबंधन पर 5 दिनों की कार्यशाला

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने चुनावी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत, सुरक्षित तथा पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम 25-29 मई तक चलेगा। ईसीआई के अनुसार यह कार्यक्रम *जोखिम प्रबंधन और चुनावी लचीलेपन* विषय पर आधारित है। इसका आयोजन *इंटरनेशनल आईडीईए* के सहयोग से किया जा रहा है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.163PSC/Sty-1/2024-25

NOTICE FOR RATE CONTRACT

Sealed quotations are invited with court fee of Rs. 8.25 from experienced firm/ agency for the following works relating to conduct of various Examinations by the APSC initially for 1(one) year.

Sl. No.	Particulars
1.	Black and white printing of attendance sheets in duplicate, with photos and signatures on legal-size paper and packed venue-wise in laminated envelope
2.	Printing of seat labels on sticker papers.

Terms conditions and relevant documents to be submitted with the tender:

1. The firm should submit up-to-date trade license based in Assam, PAN card, GST registration certificate.
2. The firm should submit a self-declaration that they have never been black-listed by any State Government/Central Government or any State/Central PSU as per Annexure-I.
3. Vendor profile as per Annexure-II
4. Work experiences of same nature (please enclose proof of experience)
5. The firm should have minimum 5(five) technical personnel on its roll. (provide the details in Annexure-IT)
6. An Earnest Money Deposit (EMD) of Rs.5000.00 (Rupees Five Thousand) only
7. Rate offered per page of printing as per Annexure -III

The quotations will be received by the undersigned up to 3:00 PM of **18/06/2026** and will be opened on the same day at 03:15 PM.

The Tender committee reserves the right to accept or reject any / all the quotations without assigning any reason thereof.

For further details, Annexure format & updates please refer to official website of APSC ***www.apsc.nic.in*** & https://sppp.assam.gov.in

Secretary,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Ghy-22

-- *DIPR /C/ VBS-20/26-May-26*

पृष्ठ एक का शेष

असम विस में पेश...

को न्यायालय के माध्यम से भरण-पोषण मांगने का अधिकार मिलेगा। विधेयक में विभिन्न अपराधों के लिए कड़े दंडात्मक प्रावधान भी किए गए हैं। बहुविवाह और बहुपत्नी प्रथा के मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 82 के तहत सात वर्ष तक की सजा का प्रावधान किया गया है। बाल विवाह, जबरन विवाह, धोखाधड़ीपूर्ण विवाह तथा वैध तलाक प्रक्रिया के उल्लंघन को भी दंडनीय अपराध बनाया गया है। इसके अलावा विवाह, तलाक और लिव-इन संबंधों का समय पर पंजीकरण नहीं कराने, फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने अथवा तथ्यों को छिपाने पर जुर्माना और कारावास का प्रावधान किया गया है। सरकार के अनुसार ये प्रावधान महिलाओं की सुरक्षा, कानूनी पारदर्शिता और सामाजिक जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से लाए गए हैं। प्रस्तावित विधेयक के जरिए असम अनिवार्य मुस्लिम विवाह एवं तलाक पंजीकरण अधिनियम, 2024 को भी निरस्त करने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, यूसीसी लागू होने से पहले संपन्न बहुविवाहों को वैध संरक्षण देने के लिए विशेष बचाव प्रावधान भी शामिल किया गया है। राज्य सरकार का कहना है कि यह विधेयक कानूनी एकरूपता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करते हुए असम को अधिक प्रगतिशील और समावेशी राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जरूरत पड़ने पर होगी ...

प्रतिबंध लगाने और लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीकरण को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि, ये प्रावधान में असम में रहने वाली किसी भी अनुसूचित जनजाति पर लागू नहीं होंगे। कांग्रेस, राइजर दल और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस कदम का विरोध किया। विपक्ष ने विधेयक पेश करने से पहले सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की मांग की। माना जा रहा है कि इस विधेयक पर 27 मई को विधानसभा में चर्चा होगी और इसे पारित कराया जाएगा। यह विधेयक असम की सामाजिक संरचना और विशिष्ट जनसांख्यिकीय विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य विवाह की न्यूनतम आयु, बहुविवाह पर प्रतिबंध, माता-पिता की संपत्ति में बेटियों के समान अधिकार और लिव-इन संबंधों से संबंधित मामलों को सम्मिलित करना है। यह विधेयक पारित होने पर असम देश का तीसरा राज्य बन जाएगा, जिसने समान नागरिक संहिता विधेयक पारित किया है। इससे पहले उत्तराखंड ने 2024 में और गुजरात ने इसी वर्ष मार्च में इस कानून को अपनाया था। उत्तराखंड इस तरह का कानून लाने वाला पहला राज्य था, जो संविधान के राज्य नीति निदेशक सिद्धांतों के अनुरूप है। अनुच्छेद 44 के अनुसार, राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुरक्षित करने का प्रयास करेगा।

लिव-इन रिलेशनशिप ...

धोखा देकर छोड़ देता है, तो पीड़ित पार्टनर को अदालत के जरिए गुजारा भत्ता मांगने का पूरा कानूनी अधिकार दिया गया है। यह विधेयक एक साफ और कड़ा संदेश देता है कि निजी रिश्तों में शोषण, धोखाधड़ी और गैर-कानूनी तौर-तरीकों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत, एक शादी के रहते हुए दूसरी शादी करना (बाइगेमी और पोलीगेमी) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 82 के तहत सात साल तक की जेल की सजा का कारण बनेगा। वहीं, बाल विवाह और बिना मर्जी या जबरन की गई शादी के लिए बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत दो साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। बलपूर्वक, डरा-धमकाकर या पहचान छुपाकर की गई धोखाधड़ी वाली शादियों के लिए सात साल तक की जेल और जुर्माने की सजा होगी। कानूनी तलाक प्रक्रिया का उल्लंघन करने और अवैध रूप से शादी तोड़ने पर तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा, किसी तलाकशुदा व्यक्ति को दोबारा शादी करने से पहले अवैध शर्तों को मानने के लिए मजबूर करने पर तीन साल की जेल और एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। प्रतिबंधित रिश्तों के बीच शादी करने पर, जब तक कि उसे किसी मान्य परंपरा का आधार प्राप्त न हो, छह महीने तक की जेल और पचास हजार रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। इसके साथ ही, शादी या तलाक के 60 दिनों के भीतर जानबूझकर रजिस्ट्रेशन न कराने पर दस हजार रुपए का जुर्माना लगेगा। रजिस्ट्रेशन के दौरान जाली या नकली दस्तावेज जमा करने पर तीन महीने तक की जेल, या पच्चीस हजार रुपए तक का जुर्माना, या दोनों सजाएं हो सकती हैं। इसी तरह, एक महीने के भीतर लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन न कराने पर तीन महीने तक की जेल या दस हजार रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं, रजिस्ट्रेशन की घोषणा में जरूरी तथ्यों को छिपाने या झूठी जानकारी देने पर तीन महीने तक की जेल और पच्चीस हजार रुपए तक का जुर्माना होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य महिलाओं की रक्षा करना, कानूनी पारदर्शिता सुनिश्चित करना और राज्य में सामाजिक जवाबदेही को मजबूत करना है। आखिर में, यह विधेयक राज्य के कानूनी ढांचे को सरल बनाने के लिए *असम मुस्लिम विवाह और तलाक अनिवार्य पंजीकरण अधिनियम, 2024* को रद्द करता है। हालांकि, इसमें एक जरूरी राहत देने वाली शर्त जोड़ी गई है, जो यह सुनिश्चित करती है कि इस यूसीसी (यूसीसी) के लागू होने से पहले हुई किसी भी बहुविवाह (एक से अधिक शादी) को वैध माना जाएगा और उसे कानूनी सुरक्षा मिलेगी।

इबोला को लेकर केंद्र ...

के सभी पॉइंट ऑफ एंट्री (हवाई अड्डे, बंदरगाह एवं सीमाई प्रवेश बिंदु) पर इबोला स्क्रीनिंग व्यवस्था को पूरी तरह सतर्क और सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। जे पी नड्डा ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र(एनसीडीसी) को ट्रैक, टेस्ट और निगरानी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हर समय तैयार रखने को कहा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश में अब तक इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी तैयारियों को मजबूत किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है, जबकि अफ्रीका सीडीसी ने इसे महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल करार दिया है। उल्लेखनीय है इबोला एक बेहद दुर्लभ और जानलेवा वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, जिससे शरीर के अंदर और बाहर गंभीर रक्तस्राव (हेमरेज) होता है। इसकी मृत्यु दर लगभग 50 प्रतिशत तक हो सकती है। इस बीमारी का नाम उत्तरी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में स्थित इबोला नदी के नाम पर रखा गया है, जहां 1976 में पहली बार इस वायरस का पता चला था।

कर्ज बढ़ा, निवेश सीमित...

की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि के दौरान राज्य के गैर-कर राजस्व में 9.34 प्रतिशत की गिरावट आई और केंद्र से मिलने वाले अनुदान में भी कमी आई। राज्य के व्यय में राजस्व व्यय की मामूली वृद्धि (6.10 प्रतिशत) का प्रभुत्व रहा। कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान, निर्धारित व्यय से बढ़ते दबाव के बावजूद, राज्य वित्तीय लचीलेपन के एक स्थिर स्तर को बनाए रखने में सक्षम रहा, हालांकि विवेकाधीन और विकासात्मक व्यय में विस्तार की सीमित गुंजाइश थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान पूंजीगत व्यय अस्थिर रहा और बजट स्तर से नीचे रहा (2021-22 को छोड़कर), जो बुनियादी ढांचे के निवेश में बाधाओं को दर्शाता है। कैग ने बताया कि 2024-25 के दौरान सब्सिडी में भारी वृद्धि (124.63 प्रतिशत) हुई, जिसका मुख्य कारण बिजली सब्सिडी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि परिणामस्वरूप, राजस्व और राजकोषीय घाटे को राज्य एफआरएमबी अधिनियम के लक्ष्य स्तरों के भीतर नियंत्रित करने में सक्षम नहीं रहा, जिससे राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। इसमें आगे कहा गया है कि हालांकि बकाया देनदारियां संख्यात्मक लक्ष्यों के भीतर रहीं, लेकिन इसे बढ़ते हुए बकाया ऑफ-बजट उधारों और गारंटी के माध्यम से आकस्मिक देनदारियों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते कर्ज का बोझ, उच्च निर्धारित व्यय और सीमित पूंजी निवेश राजकोषीय स्थिरता के बारे में चिंताएं पैदा करते हैं, और दीर्घकालिक राजकोषीय स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए, राजस्व वृद्धि, बेहतर व्यय नियंत्रण और संरचनात्मक सुधारों पर जोर दिया गया है। कैग ने कहा कि बजट से बाहर के उधारों में पारदर्शिता बढ़ाई जानी चाहिए, समय पर लेखांकन और रिपोर्ट सुनिश्चित की जानी चाहिए, और अधिक विवेकपूर्ण बजट प्रावधान के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

दस दिन में चौथी बार ...

कीमत 99.82 रुपए प्रति लीटर हो गई है। मुंबई में डीजल का दाम 97.83 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में की गई यह वृद्धि वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपए में कमजोरी के बीच की गई है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमत बढ़ने और रुपए के कमजोर होने से तेल विपणन कंपनियों की आयात लागत पर दबाव बढ़ा है। इससे पहले शनिवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में 87 पैसे और 91 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हुई थी। पेट्रोल-डीजल के दाम में फिर से हुई बढ़ोतरी पर आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि पिछले 10 दिनों में ही पेट्रोल-डीजल की कीमत साढ़े सात रुपए बढ़ गई है। देश में अब ऐसा कोई शहर या राज्य नहीं बचा है जहां पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर से कम में मिल रहा हो। एक गरीब आदमी आखिर ईंधन का खर्च कैसे उठाएगा? उल्लेखनीय है कि ईंधन की कीमतों में 15 मई को पहली बार संशोधन हुआ था। तब से अब तक पेट्रोल और डीजल के दाम कुल मिलाकर करीब 7.5 रुपए प्रति लीटर बढ़ चुके हैं। ईंधन की बढ़ती कीमतों ने मध्यम वर्ग और रोजाना वाहन इस्तेमाल करने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

ईंधन के बढ़ते दामों ...

उन्होंने पिछले 12 वर्षों में भाजपा सरकार पर ईंधन के जरिए 57 लाख करोड़ रुपए की लूट का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी की गई है। इसका असर वेतनभोगी वर्ग, किसानों, व्यापारियों, गृहिणियों, छोटे कारोबारियों और आम लोगों पर पड़ रहा है। ईंधन की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम आदमी की जेब पर रोज बोझ बढ़ रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाना कमर तोड़ने वाला कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा ईंधन मूल्य वृद्धि के जरिए लोगों को आर्थिक रूप से परेशान किया जा रहा है। सुरजेवाला ने बताया कि बैठक में महंगाई, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चर्चा की गई।

डरने की जरूरत ...

और कार्यों के माध्यम से अपने लोगों में विश्वास जगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की घरेलू आर्थिक स्थिति आज भी सकारात्मक और मजबूत बनी हुई है। इसलिए, जो लोग बिना सोचे-समझे इस परिदृश्य में कूद पड़ते हैं और कहते हैं कि सब कुछ खत्म हो रहा है, वे गलत हैं। भारतीयों का एक वर्ग ऐसा भी है जो बहुत जल्दी अपने ही लोगों की उपलब्धियों को नकारना चाहता है। एक निराशावादी, निंदक माहौल बनाया जाता है, जो बिल्कुल गलत है। यह गलत इसलिए है क्योंकि यह भय फैलाता है। भारत भय फैलाने का जोखिम नहीं उठा सकता; हमें अपने शब्दों और कार्यों से अपने लोगों में विश्वास जगाना होगा। भारत एक मजबूत अर्थव्यवस्था बना हुआ है। सीतारामन ने यह भी कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने से सरकार को 1 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का घाटा होगा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद सरकार को 2026 में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के राजस्व का लाभ होने का अनुमान है।

गंगा दशहरा पर बड़ा ...

शिखा व रिश्तेदार रोहित गहरे पानी में डूबने लगे। नाविक व गोताखोर सरवन, जाबिर, अनिल, नाजिर और सद्दाम ने तुरंत मदद के लिए गंगा में कूदे। उन्होंने विकास, कृष्णा और शालिनी को सकुशल बाहर निकाल लिया। शाम को नीलेश और रोहित का शव निकाला जा सका, जबकि शिखा का पता नहीं चला। देर शाम तक टीमें उसे तलाशने में जुटी रहीं। कछला घाट पर गांव सिरसा दबरई निवासी राजकुमार, सूरज भी गहरे पानी में फंस गए। गोताखोर अनिल व फजले ने सूरज को सुरक्षित निकाल लिया मगर, राजकुमार की मौत हो गई। अटैना घाट पर मैनपुरी के हुसैनपुर निवासी पिंटू डूब गए। उनके भाई अजय की चीखपुकार पर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने गोताखोर उतारे, कुछ देर बाद पिंटू का शव मिला। दोपहर तीन बजे फर्रुखाबाद के गांव न्यूनैहरा निवासी अनुपम व उनके मामा जितेंद्र स्नान करते समय तैरकर दूसरी पार जाने लगे। भंवर में फंसने से अनुपम की डूबने से मौत हो गई। बरेली के गुलाबनगर गांव में बहगुल नदी में भी श्रद्धालु स्नान कर रहे थे। दोपहर को कस्बा फरीदपुर का 14 वर्षीय आदित्य ठाकुर पानी में डूबने लगा। यह देखकर बदायूं के बिनावर निवासी अभिषेक उसने बचाने दौड़ पड़े। वह भी गहरे पानी में चले गए। डेढ़ घंटे बाद उन दोनों के शव निकाले जा सके। बदायूं के कछला घाट पर हाथरस निवासी रामकेश, आनंद कुमार, प्रेमशंकर, रितिक, रोशनलाल, मुरादाबाद जिले की रानी और पिंकी, राजस्थान के नरसिंहपुर, प्यारी देवी, गौरव पटेल, शोभित श्रीवास्तव, रतन लाल, नाहर सिंह और राजीव रंजन, एटा जिले में सिकंदरपुर निवासी आकाश तिवारी, प्रकाश और मुन्नीदेवी, मुरसाम की अनीता देवी, प्रिंस राजपूत भी डूब गए थे। इन सभी को सकुशल बाहर निकाल लिया गया।

राष्ट्रपति भवन में पद्म ...

की पत्नी और मल्होत्रा के बेटे ने सम्मान प्राप्त किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भुल्लर, अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व महानिदेशक के. विजय कुमार को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में हुए इस समारोह की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान *जन गण मन* गाया गया। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। राष्ट्रपति ने वर्ष 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कार देने की मंजूरी दी है। इनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं। ये पुरस्कार दो अलग-अलग समारोहों में प्रदान किए जाने हैं। पद्म पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के मौके पर की जाती है। ये प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रदान किए जाते हैं।

अमित शाह का सीमावर्ती...

शुरुआत होगी। 26 मई को गृह मंत्री भारत पाकिस्तान सीमा पर स्थित सांचू सीमा चौकी का दौरा करेंगे। यहां वह सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के जवानों से बातचीत करेंगे। इस दौरान वह कठिन परिस्थितियों में तैनात जवानों की समस्याओं और जमीनी हकीकत को समझेंगे। शाह जवानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। इन योजनाओं का मकसद कठिन इलाकों में सेवा दे रहे जवानों का मनोबल बढ़ाना और उनकी कार्यप्रणाली में सुधार करना है। दौरे के दौरान अमित शाह बीकानेर में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि, बीएसएफ के बड़े अफसर और पांच सीमावर्ती जिलों के पुलिस प्रमुख शामिल होंगे। बैठक में खुफिया जानकारी साझा करने और सीमा पार से होने वाले खतरों से निपटने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। राजस्थान के बाद अमित शाह 29 मई को गुजरात के भुज जाएंगे।

मणिपुर में पांच उग्रवादी ...

में सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के एडैंथर रेंगकाई गांव निवासी जेहोवा राजा दत्ता (24) को उसके घर से गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से एक इंसास राइफल, चार मैगजीन, 5.56 मिमी के 36 जिंदा कारतूस, एक कैमोफ्लाज बुलेटप्रूफ जैकेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। वहीं, अन्य अभियान में मणिपुर रिवोल्यूशनरी आर्मी (एमआरए) के दो सक्रिय कैडरों को वांगखेई आयंगपल्ली रोड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान कोंगबा नांदेइबाम लैकाई, इंफाल ईस्ट निवासी निंगथौजाम विक्की सिंह उर्फ मुनाल (30) तथा लाफुपत तेरा मयाई लैकाई, इंफाल वेस्ट निवासी निंगथौजाम ईश्वरचंद्र सिंह उर्फ लोइया उर्फ थानाइलकपा (24) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में लांगजिंग माखा लैकाई में रह रहा था। उनके पास से तीन मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया। इसके अलावा, चुराचांदपुर जिले के नगाथल क्षेत्र में संयुक्त कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान थोंगखोपी गुइटे (33) और शोखोमांग बैते (40) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक एके-47 राइफल, एक 9 एमएम पिस्टल, विभिन्न बोर के 31 जिंदा कारतूस, दो हैंड ग्रेनेड और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों से पूछताछ जारी है तथा मामले में आगे की जांच की जा रही है।

9वीं के छात्र ने छह ...

परिवार ने रविवार, 24 मई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बच्ची के पिता के मुताबिक, शनिवार को बच्ची अपनी बड़ी बहन के साथ घर पर थी और उसके माता-पिता घास काटने के लिए बाहर गए हुए थे। बच्ची के पिता ने मामले के बारे में बताया कि आरोपी लड़के ने बच्ची को फूल दिखाने के बहाने अपने घर बुलाया। जब मां घर पर लौटी, तो बच्ची ने प्राइवेट पार्ट्स में दर्द होने की शिकायत की, जिसके बाद उसकी मां ने उसके पूरे शरीर पर काले और लाल रंग के चोट के निशान देखे। बच्ची के पिता ने कहा कि जब मेरी पत्नी ने उससे पूछा, तो उसने पूरी बात बताई। इसके बाद रात में, जब मैं करीब 11 बजे सब्जियां बेचकर घर लौटा तो मेरी पत्नी ने मुझे इस घटना के बारे में बताया। सुबह, आरोपी के परिवार को इस घटना के बारे में पता चला और उन्होंने हमसे अपने बेटे को माफ करने की गुहार लगाई। पीड़ित बच्ची के पिता ने बताया कि मेरी बेटी तकलीफ में है। वह अभी बहुत छोटी है। उसे अभी कुछ ही समय पहले स्कूल में दाखिला दिलाया गया था। अब उसे बहुत बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया गया है। घटना के एक दिन बाद, स्थानीय लोगों ने आरोपी का सामना किया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसके बाद पुलिस ने लड़के को गिरफ्तार कर लिया।

नीलम मीणा बनी पश्चिम...

वरिष्ठ थीं। वह उस समय उपभोक्ता मामले विभाग की प्रधान सचिव के पद पर थीं। पैनल में तन्मय चक्रवर्ती (2006 बैच) और मौमिता गोदारा बसु (2007 बैच) भी शामिल थे। इस प्रकार, मीना की नियुक्ति काफी हद तक अपेक्षित मानी जा रही थी। सोमवार को, भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव राहुल शर्मा ने मनोज कुमार अग्रवाल को एक पत्र भेजा। पत्र में उन्हें निर्देश दिया गया है कि मीणा तुरंत नए मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यभार संभालें। आयोग ने एक सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट भेजने को भी कहा है। इस वर्ष मार्च में विधानसभा चुनावों की मतदान तिथियों की घोषणा हुई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने तत्कालीन मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को हटा दिया था।

नेता प्रतिपक्ष के मुद्दे पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला, सुशांत बरगोहाईं का तीखा बयान

गुवाहाटी (हिंस)। असम में विधानसभा के भीतर नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर जारी असमंजस के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक सुशांत बरगोहाईं ने सोमवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस अब तक विधानसभा में अपने नेता और नेता प्रतिपक्ष के नाम पर अंतिम निर्णय नहीं ले सकी है, जिससे पार्टी के भीतर गहरे मतभेद उजागर हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो जाति और मानसिकता अपने ही पिता को बंदी बनाकर राजा बनने का इतिहास रखती है, उस मानसिकता वाले अधिकांश विधायक जिस कांग्रेस में मौजूद हैं, वह पार्टी जल्द नेता प्रतिपक्ष नहीं खोज पाएगी। भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक दल के भीतर नेतृत्व को लेकर अब भी असमंजस और आपसी मतभेद की स्थिति बनी हुई है। उनके अनुसार, नेता प्रतिपक्ष के चयन में हो रही देरी कांग्रेस की आंतरिक कमजोरी और नेतृत्व संकट को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि, असम विधानसभा में कांग्रेस अब तक अपने विधायक दल के नेता और नेता प्रतिपक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा नहीं कर पाई है। इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं लगातार तेज होती जा रही हैं।

यूसीसी के जरिए बहुविवाह और बाल विवाह पर लगेगी रोक : अतुल बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार में मंत्री अतुल बोरा ने सोमवार को विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश करते हुए कहा कि इस कानून के जरिए राज्य में बहुविवाह और बाल विवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि बेटियों को संपत्ति में समान अधिकार भी सुनिश्चित किया जाएगा। विधानसभा में विधेयक पेश करते हुए मंत्री ने कहा कि यूसीसी लागू होने के साथ ही राज्य की महिलाओं को न्याय मिलने का रास्ता और मजबूत होगा। उन्होंने दावा किया कि यह कानून महिलाओं को समान अधिकार और कानूनी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मंत्री ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर प्रस्तावित नए नियमों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई युवक लिव-इन संबंध में रहने के बाद युवती को उसकी सहमति के बिना छोड़ देता है, तो उसे भरण-पोषण देना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लिव-इन रिलेशनशिप से जन्म लेने वाले बच्चों को वैध माना जाएगा। इसके साथ ही ऐसे संबंधों में रहने वाले जोड़ों के लिए कुछ कानूनी नियमों और जिम्मेदारियों का पालन करना अनिवार्य होगा। राज्य में यूसीसी विधेयक पेश होने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है तथा इसके विभिन्न प्रावधानों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भूटान के प्रधानमंत्री के साथ चर्चा की

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भूटान के प्रधान मंत्री दाशो शेरिंग तोबगे का स्वागत किया और आज गुवाहाटी के लोक भवन में उनके साथ बैठक की। इस बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के व्यापक हित में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने से संबंधित कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें विशेष रूप से असम पर ध्यान केंद्रित किया गया। अतिथि अतिथि के सम्मान में असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक आतिथ्य सत्कार को प्रदर्शित करने वाली एक सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया।

असम में जनगणना की तैयारियों को लेकर राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना (एचएलओ) को लेकर सोमवार को गुवाहाटी स्थित असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में राज्यस्तरीय प्रधान जनगणना अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने की। सम्मेलन में जानकारी दी गई कि जनगणना 2027 देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी, जिसे दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। असम में प्रथम चरण 17 अगस्त से 15 सितंबर, 2026 तक चलेगा जबकि स्व-गणना की सुविधा 2 अगस्त से उपलब्ध रहेगी। बैठक में प्रशिक्षण, डिजिटल ढांचे, पर्यवेक्षण और जनजागरूकता संबंधी तैयारियों की समीक्षा की गई। राज्यभर में प्रथम चरण के संचालन के लिए लगभग 83,535 गणनाकर्मी और पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे।

बकरी बाजारों में दिखा मूल्य वृद्धि का असर

गुवाहाटी (हिंस)। बकरा ईद के मौके पर राज्य के अन्य हिस्सों के तरह गुवाहाटी के छह माइल के पंजाबारी इलाके में स्थित बकरी बाजार में ईद के मौके बाजार में लाए गए बकरों का दाम पिछले साल के तुलना में अधिक होने से लोग काफी परेशान हैं। मूल्य वृद्धि का असर मवेशी और में बकरी बाजार में साफ देखने को मिल रहा है। जिन बकरों को पिछले साल लोग 10 से 12 हजार में खरीद कर कुर्बानी दिए थे, उसी तरह के बकरों का इस बार 20 से 25 हजार रुपए मांगा जा रहा है। बकरों के बढ़ते दाम को लेकर व्यापारियों का कहना है कि पिछले वर्ष की तुलना में मवेशियों के असम की विभिन्न जगहों से लाने में काफी किराया लगा है। वहीं, पालने में भी खर्च ज्यादा लगता है। पेट्रोल डीजल के बढ़ते दामों को मूल्य वृद्धि का असली करण बताया गया है। राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बाद राज्य के मुसलमान इस बार पिछले वर्ष की तुलना में गायों की कुर्बानी नहीं कर रहे हैं। जिसकी वजह से हर वर्ष की तुलना में हजारों की संख्या में राज्य के अलावा अन्य राज्यों से भी बकरा गुवाहाटी के बाजार में बेचने के लिए लाया गया है। राज्य में गायों की कुर्बानी न होना भी बकरों के मूल्य में वृद्धि का एक कारण बताया गया है। हर साल ईद-उल-अजहा पर बकरे या अन्य वैध पशुओं की कुर्बानी देने की परंपरा है। बकरीद मुख्य रूप से त्याग, आस्था और बलिदान का पर्व है। यह पैगंबर हजरत इब्राहिम द्वारा अल्लाह के हुक्म पर अपने बेटे हजरत इस्माइल को कुर्बानी के लिए ले जाने के बाद हजरत इस्माइल की जगह दुम्बा की कुर्बानी रब ने मंजूर फरमाया था।

सेवानिवृत्त एपीएस अधिकारी की मौत मामले में आरोपी संजीत बोड़ो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के घोड़ामारा इलाके में सेवानिवृत्त असम पुलिस सेवा (एपीएस) अधिकारी गिरीन चंद्र डेका के साथ हुई मारपीट मामले में पुलिस ने आरोपी संजीत बोड़ो को गिरफ्तार कर लिया है। गुवाहाटी पुलिस के डीसीपी ने सोमवार को बताया कि यह घटना 15 मई की रात पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद हुई थी। मृतक के परिजनों ने 19 मई को बशिष्ठ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। गंभीर रूप से घायल गिरीन चंद्र डेका ने रविवार देर रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनकी आयु 60 वर्ष से अधिक थी। जानकारी के अनुसार, घोड़ामारा मार्ग पर रात लगभग 10 बजे पार्किंग को लेकर संजीत बोड़ो और गिरीन चंद्र डेका के बीच विवाद शुरू हुआ, जो बाद में मारपीट में बदल गया। घटना के बाद डेका काफी देर तक सड़क पर पड़े रहे। लोगों ने इसकी सूचना डेका के परिवार को दी, जिसके बाद परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए। गिरीन चंद्र डेका घोड़ामारा के शिवनगर इलाके के निवासी थे, जबकि आरोपी संजीत बोड़ो भी उसी इलाके का रहने वाला बताया गया है। डेका पूर्व में क्षेत्री थाना के प्रभारी अधिकारी रह चुके थे और लगभग एक वर्ष पूर्व असम पुलिस की सीआईडी शाखा में डीएसपी पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

नगांव-बटद्रवा सड़क पर खाई में गिरी कार, एक की मौत और पांच घायल

नगांव (हिंस)। असम में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं के बीच नगांव-बटद्रवा संपर्क सड़क पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया। तेज रफ्तार एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। यह दुर्घटना बटद्रवा के भेटियनी गांव के समीप हुई। जानकारी के अनुसार, एएस-02-एबी-9394 नंबर की कार नगांव से बटद्रवा की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार सीधे खाई में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में इमदादुल इस्लाम नामक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बटद्रवा के भोमोरागुरी क्षेत्र का निवासी बताया गया है। वहीं, कार में सवार अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत नगांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

कामरूप जिले में जनभागीदारी अभियान के तहत बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी देखी गई

जागरूकता अभियानों के माध्यम से लगभग 4,000 नागरिकों ने भाग लिया

अमीनगांव। कामरूप जिले में जन जातीय गरिमा उत्सव 2026 के तहत चल रहे जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रमों, स्वास्थ्य शिविरों और जागरूकता गतिविधियों की एक व्यापक श्रृंखला का सफल समापन हुआ, जिसमें जिले के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय जन भागीदारी देखी गई। 18 से 25 मई तक चारों विकास खंडों में आयोजित इस अभियान में 34 आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से 64 गांवों को शामिल किया गया और इसमें महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और दिव्यांग व्यक्तियों सहित लगभग 4,000 नागरिकों को शामिल किया गया। इस पहल के माध्यम से विभिन्न विभागों, जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं, स्थानीय संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक नेताओं के बीच सक्रिय समन्वय स्थापित करके सरकारी सेवाओं को जनता के करीब लाया गया। नागरिकों ने अधिकारियों से सीधे बातचीत की और कल्याणकारी योजनाओं, पेयजल आपूर्ति, सड़क अवसंरचना, आधार सेवाओं, राशन कार्ड, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका सहायता से संबंधित मुद्दों को उठाया। इस अभियान के दौरान 3,000 से अधिक शिकायतें और सार्वजनिक मुद्दे दर्ज किए गए, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को विभागीय अनुवर्ती कार्रवाई और समयबद्ध कार्रवाई के लिए अपने हाथ में ले लिया गया। जन सुनवाई कार्यक्रमों के साथ आयोजित स्वास्थ्य शिविरों ने चिकित्सा परामर्श, निवारक स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की, जिससे वंचित क्षेत्रों में पहुंच को और मजबूत किया जा सका।

धुबड़ी में खाद्य व आवश्यक सामग्री स्टॉक को लेकर उपायुक्त कार्यालय में बैठक आयोजित

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिला कमिश्नर के कार्यालय में राज्य के मुख्य सचिव के निर्देशों के अनुसार जिले के विभिन्न थोक और गोदामों में खाद्य सामग्री और आवश्यक सामान स्टॉक को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला उपायुक्त ने वर्तमान में मूल्यवृद्धि से परेशान आम लोगों की राहत देने पर आवश्यक वस्तुओं की स्टाक पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी व पदाधिकारीगण उपस्थित थे। उन्होंने आवश्यक स्टॉक और मूल्य निर्धारण की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों को इस पर कड़नी नजर रखने की दिशा-निर्देश भी जारी की। इसके अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जिला सार्जेंट स्टॉक फोर्स टीम गठित की गई। इस गठित टीम द्वारा खाद्य सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की दुकानों को और नियमित रूप से प्रयोगशाला स्थापित करना, व्यापारी कोई कृत्रिम कमी (आर्टिफिसियेल स्कार्सिटी) का जन्म ना दे। संबंधित व्यक्ति और दुकान के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम और मानक कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक वस्तुओं की निगरानी की आपूर्ति और निर्धारित मूल्य बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही थोक और शिक्षण विभाग को यह भी निर्देश दिया गया है कि वर्तमान में धुबड़ी जिले में आवश्यक वस्तुओं की कोई मूल्यवृद्धि नहीं देखी गई है। अगर आने वाले दिनों में आवश्यक वस्तुओं की कमी होती है जिला प्रशासन इस त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश भी जीर किया।

मुंबई में दूसरा असम भवन के लिए 4.8 रिजर्व लैंड प्राप्त हुई

नागांव (निसं)। असम के लोगों के लिए मुंबई जाने वाले एक समाचार सामने आया है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन के हार्ट स्पॉट कॉटन ग्रीन में 4.8 बेसलैंड आज अन्य असम भवन के निर्माण के लिए असम सरकार को जहाजरानी और पोर्ट मंत्रालय की ओर से आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई है। यह नया असम भवन, असम के कैंसर रोगियों की सहायता के साथ-साथ अन्य यात्रियों के लिए भी आवास सुविधा उपलब्ध है। साथ ही, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में असम का अधिक दलित प्रतिनिधित्व और राज्य की संस्कृति, पर्यटन, व्यापार को बढ़ावा-प्रसार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की उम्मीद है। असम सरकार की ओर से इस भूमि को नागांव जिले के जिला आयुक्त और असम भवन, मुंबई के संयुक्त आवासीय आयुक्त का अतिरिक्त अनुदान प्रदान करना देवाशीष शर्मा ने ग्रहण कर लिया। उन्होंने नेशनल पोर्ट ट्रस्ट अथॉरिटी, मुंबई के इलेक्टोरल मैनेजर से भूमि का स्वामित्व प्राप्त किया। इस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि नई मुंबई में स्थित असम भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नया असम भवन असम से आने वाले अन्य लोगों के साथ-साथ उपचार के लिए मुंबई पहुंचने वाले कैंसर रोगियों की आबादी को काफी हद तक पूरा कर देगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में लंबे समय तक मुंबई के असम भवन में रहने के दौरान देवाशीष शर्मा ने असम से आने वाले कैंसर वाले स्मारक की सेवा की थी।

पीयरलेस हॉस्पिटल गुवाहाटी ने उन्नत लिवर और जीआई सुपर-स्पेशियलिटी क्लिनिक का किया शुभारंभ

गुवाहाटी। पीयरलेस हॉस्पिटल गुवाहाटी ने असम और उत्तरपूर्वी भारत में जटिल यकृत, अग्नाशय, पित्त और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के लिए विशेष परामर्श और उपचार प्रदान करने के लिए एक उन्नत यकृत और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) सुपर-स्पेशियलिटी क्लिनिक का शुभारंभ किया है। यह क्लिनिक लिवर संबंधी विकारों, लिवर कैंसर, पित्ताशय कैंसर, अग्नाशय रोगों, पित्त नलिका कैंसर, पेट और अन्नप्रणाली कैंसर, कोलोरेक्टल कैंसर और अन्य जटिल गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और हेपेटो-पैन्क्रियाटो-बिलियरी (एचपीबी) स्थितियों के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन और देखभाल प्रदान करेगा। यह उन रोगियों को भी सहायता प्रदान करेगा जिन्हें उन्नत गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और एचपीबी सर्जिकल मूल्यांकन की आवश्यकता है, जिसमें न्यूनतम चीर-फाड़ वाली सर्जरी भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के रोगियों के लिए उन्नत परामर्श, निदान और उपचार योजना को सुलभ बनाना है, जिससे उन्हें यकृत और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संबंधी विशेष देखभाल के लिए असम से बाहर यात्रा करने की आवश्यकता कम हो सके। इस क्लिनिक का नेतृत्व पीयरलेस हॉस्पिटल, कोलकाता के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. सुदीप बनर्जी करेंगे, जो हेपेटो-पैन्क्रियाटो-बिलियरी (एचपीबी) और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट विभाग में कार्यरत हैं। डॉ. बनर्जी को उन्नत एचपीबी सर्जरी, लिवर प्रत्यारोपण, न्यूनतम चीरा लगाकर की जाने वाली सर्जरी और रोबोटिक जीआई प्रक्रियाओं में व्यापक अनुभव है। उन्होंने 3,000 से अधिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और 2,000 से अधिक एचपीबी और अग्नाशय की सर्जरी की हैं। डॉ. बनर्जी इससे पहले टाटा कैंसर अस्पताल, कोलकाता में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और एचपीबी सर्जरी विभाग के प्रमुख थे और उन्होंने लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक सर्जरी सेवाओं का भी नेतृत्व किया है। लॉन्च कार्यक्रम 25 मई को पीयरलेस हॉस्पिटल गुवाहाटी में आयोजित किया गया, जिसमें पीयरलेस हॉस्पिटल के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डॉ. डीपी सम्मादार, पीयरलेस हॉस्पिटल गुवाहाटी के सीईओ डॉ. गौतम कुमार दास और पीयरलेस हॉस्पिटल गुवाहाटी के मेडिकल सुपरिटेंडेंट और इमरजेंसी डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. प्रणब बरुवा उपस्थित थे। डॉ. बनर्जी सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में एचपीबी और लिवर ट्रांसप्लांट में क्लिनिकल फेलो हैं, सियोल के आसन मेडिकल सेंटर में विजिटिंग फेलो हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका के फिलाडेल्फिया स्थित थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में अग्नाशय और संबंधित कैंसर के लिए विजिटिंग फेलो हैं। गुवाहाटी के पीयरलेस अस्पताल में डॉ. बनर्जी के क्लिनिक के खुलने से हम अपने मरीजों को व्यापक और किफायती उपचार प्रदान कर सकेंगे। मरीजों को अब एचपीबी और जीआई के उन्नत उपचार के लिए असम से बाहर यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे उन्हें उपचार संबंधी खर्चों में भी बचत होगी, पीयरलेस अस्पताल, गुवाहाटी के सीईओ डॉ. गौतम कुमार दास ने कहा। अस्पताल ने बताया कि यह क्लिनिक गुवाहाटी में सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं को मजबूत करने और असम तथा पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के मरीजों के लिए उन्नत चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच में सुधार लाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। इस सुविधा केंद्र में सरकारी स्वास्थ्य योजनाएं भी लागू होंगी, जिससे पात्र योजना कार्ड धारकों को लागू मानदंडों के अनुसार उपचार सहायता प्राप्त करने में सुविधा होगी। यकृत, अग्न्याशय और पाचन संबंधी रोगों के सफल प्रबंधन में शीघ्र निदान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनमें से कई स्थितियां चुपचाप बढ़ती हैं और मरीज अक्सर गंभीर अवस्था में ही चिकित्सा सहायता लेते हैं। जागरूकता में वृद्धि, समय पर निदान और उचित रोग प्रबंधन से उपचार के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। कई जटिल गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और एचपीबी स्थितियों में, सर्जरी उपचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी रहती है, खासकर जब रोग का पता ऐसी अवस्था में चलता है जहां उपचारात्मक या उन्नत सर्जिकल हस्तक्षेप संभव हो। पीयरलेस हॉस्पिटल में हम अब गुवाहाटी और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के मरीजों को यह विशेष विशेषज्ञता और व्यापक देखभाल प्रदान करने में सक्षम हैं, डॉ. सुदीप बनर्जी, वरिष्ठ सलाहकार एचपीबी और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और लिवर ट्रांसप्लांट, पीयरलेस हॉस्पिटल, कोलकाता ने कहा।

संपादकीय

आरक्षण पर 'सुप्रीम' सवाल

सर्वोच्च अदालत की एक न्यायिक पीठ ने ओबीसी के उन बच्चों को लगातार आरक्षण देने पर सवाल उठाया है, जिनके परिवार शैक्षिक और आर्थिक रूप से उन्नत, समृद्ध हो चुके हैं। जिनके माता-पिता दोनों ही आईएएस अधिकारी हैं अथवा सरकार में उच्च पदों पर हैं या उनकी संयुक्त आय 'मलाईदार तबके' (क्रीमी लेयर) की अधिकृत, अधिकतम सीमा से अधिक है। अर्थात जिन माता-पिता की साझा सालाना आय 8 लाख रुपए से अधिक है, उनके बच्चों को आरक्षण क्यों दिया जाना चाहिए? न्यायिक पीठ ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की है-शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। यदि आरक्षण हमेशा जारी रहा, तो हम कभी भी इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाएंगे। दरअसल आरक्षण आज अपने सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक मायने खो चुका है और इसे 'राजनीतिक हथियार' बना दिया गया है। संविधान तय करने वाले हमारे पुरखों ने अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए 10 साल के आरक्षण की व्यवस्था की थी, लेकिन वीपी सिंह के प्रधानमंत्री काल के दौरान आरक्षण के दायरे में ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) को भी लाया गया। उसके बाद करीब 50 फीसदी आरक्षण आज भी जारी है। कुछ राज्यों ने आरक्षण की अधिकतम सीमा पार करने और मुसलमानों को भी आरक्षण देने का जुगाड़ कर लिया है। वे सर्वोच्च अदालत के फैसले का भी उल्लंघन कर रहे हैं। संविधान लागू हुए भी 76 साल से अधिक वक्त बीत चुका है। आज शीर्ष अदालत को फिर सवाल उठाना पड़ा है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने जो सवाल उठाया है, उसे देश की राजनीतिक व्यवस्था नजरअंदाज कर देगी, क्योंकि वह आरक्षण की समीक्षा तक के पक्ष में नहीं है। 2024 का लोकसभा चुनाव याद कीजिए। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और विपक्ष के कुछ दलों ने संविधान की एक प्रतीकात्मक पुस्तिका लहराते हुए फर्जी नेरेटिव फैला दिया था कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने जा रही है, लिहाजा उसने 400 सीट का लक्ष्य तय किया है। यदि संविधान बदलेगा, तो भाजपा आरक्षण भी समाप्त कर सकती है, क्योंकि संघ परिवार मानसिक और वैचारिक तौर पर आरक्षण-विरोधी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को विश्वास दिलाने के खूब प्रयास किए कि न तो संविधान बदलेगा और न ही आरक्षण समाप्त होगा। आरक्षण आज भी जारी है। अंततः नतीजा यह हुआ कि चुनाव में भाजपा को सामान्य बहुमत भी नहीं मिला और वह 240 सीट पर ही ठहर गई। उप्र में भाजपा लक्ष्य से 50 फीसदी से भी कम सीटें जीत पाई और सपा के 37 सांसद जीत कर लोकसभा पहुंचे। कांग्रेस को भी 'रुंगे' में 6 सीट मिल गईं। ऐसा ही नेरेटिव अब फिर शुरू किया जा सकता है। 'आरक्षणवादी विपक्ष' सर्वोच्च अदालत के सवाल की भी राजनीतिक, चुनावी व्याख्या कर सकता है। आरक्षण की व्यवस्था सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं, विसंगतियों से लडने और एक सामाजिक, शैक्षिक समानता का न्याय देने के विचार से की गई थी। एक औसत आईएएस, आईपीएस अधिकारी को करियर की शुरुआत में ही 'इन हैंड सैलरी' 95,000-1 लाख रुपए से अधिक मिलती है। नौकरी के अनुभव और वरिष्ठता क्रम में यह वेतन 2 लाख रुपए या उससे अधिक माहवार हो जाता है। सरकारी आवास और वाहन की सुविधाएं अलग हैं। ऐसे अधिकारियों का सत्ता के गलियारों में 'भौकाल' अलग किस्म का होता है। ऐसे माता-पिता का बच्चा जब किशोर होता है और 10वीं कक्षा तक पहुंचता है, तो गणना कर लीजिए कि ऐसे अधिकारी माता-पिता की सालाना आय कितनी 'मलाईदार' होगी? तो ऐसे बच्चों को 'पिछड़ा' मान कर, सामाजिक विपन्न, वंचित मान कर, क्या आरक्षण की सुविधा देनी चाहिए? न्यायिक पीठ का मानना है कि यदि अगली पीढ़ी भी आरक्षण मांगती रहेगी, तो समाज कभी इस व्यवस्था से बाहर नहीं निकल पाएगा। दरअसल 1992 के ऐतिहासिक 'इंदिरा साहनी' फैसले से 'क्रीमी लेयर' की व्यवस्था अस्तित्व में आई थी। यह मुद्दा अनिवार्य भी है, लेकिन उससे ज्यादा संवेदनशील भी है। शीर्ष अदालत को अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए इस मुद्दे पर फैसला सुनाना चाहिए अथवा भारत सरकार को निर्देश देना चाहिए।

राज्यों ने आरक्षण की अधिकतम सीमा पार करने और मुसलमानों को भी आरक्षण देने का जुगाड़ कर लिया है। वे सर्वोच्च अदालत के फैसले का भी उल्लंघन कर रहे हैं। संविधान लागू हुए भी 76 साल से अधिक वक्त बीत चुका है। आज शीर्ष अदालत को फिर सवाल उठाना पड़ा है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने जो सवाल उठाया है, उसे देश की राजनीतिक व्यवस्था नजरअंदाज कर देगी, क्योंकि वह आरक्षण की समीक्षा तक के पक्ष में नहीं है। 2024 का लोकसभा चुनाव याद कीजिए। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और विपक्ष के कुछ दलों ने संविधान की एक प्रतीकात्मक पुस्तिका लहराते हुए फर्जी नेरेटिव फैला दिया था कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने जा रही है, लिहाजा उसने 400 सीट का लक्ष्य तय किया है। यदि संविधान बदलेगा, तो भाजपा आरक्षण भी समाप्त कर सकती है, क्योंकि संघ परिवार मानसिक और वैचारिक तौर पर आरक्षण-विरोधी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को विश्वास दिलाने के खूब प्रयास किए कि न तो संविधान बदलेगा और न ही आरक्षण समाप्त होगा।

कुछ अलग

अदालत में कॉकरोच

उस दिन पूरे अदालत परिसर में स्वच्छता अभियान चला था। सफाई के अभियान में वही थे, जो कोर्ट में हमेशा हाजिर रहते हैं। यानी सबसे अधिक सफाई वे कर रहे थे जो आरोपी थे या अभियुक्त थे, लेकिन वकीलों में भी गजब का जोश था। अदालत के कर्मचारियों को पहली बार पता चला कि वे भी परिसर में साफ सुथरे रह सकते हैं। जज के आसन और आसपास ही काफी कुछ ऐसा मिला कि महोदय खुद हैरान थे कि ऐसा कब और कैसे हुआ, 'वहां तो रोज सफाई होती है और उनके आदेशों-निर्देशों से देश को सफाई की नजर से देखा जाता है, बल्कि अब तो धार्मिक स्थान भी उन्हीं के कहने पर उजले-उजले दिखाई दे रहे हैं। सियासी गलियारों, पुलिस के पिटारों और ब्यूरोक्रेसी के नजारों तक की वह चुटकी में सफाई कर देते हैं।' दलील से लेकर कोर्ट में आई हर अपील की सफाई सिर्फ उनके कहने मात्र से हो जाती है।' यह अलग बात है कि सफाई के मामले अब अदालत की कम्प्यूटर कर रहे थे। आदेश देने के बजाय कई उपदेश निकल आते हैं और कहीं निर्देश देने से पहले महेश सहारा आ जाते हैं। जज महोदय ने संविधान की किताब, बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर और न्याय का तराजू तक को खुद ही साफ किया था, तो आसन के नजदीक कचरा आया कहां से। इस प्रश्न के बावजूद वह अदालत में मौजूद सभी को सफाई के लिए प्रेरित कर रहे थे कि के बेरोजगारी से आरोपित एक युवा ने पूछा, "जनाब क्या हम आपके आसन की सफाई कर दें।" जज साहब को बेरोजगार युवा का यह सुझाव पसंद नहीं आया। घूरते हुए जवाब दिया, 'हमारे हाथ लंबे हैं। हम बिना कारण भी लंबे हाथों का इस्तेमाल करना जानते हैं।'

द्विपक्षीय वार्ता के दौरान वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई गई

व्यापार समझौतों में जान फूंकेंगे नए श्रम कानून

इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था से संबंधित वैश्विक आर्थिक संगठनों की रिपोर्टों में दो बातें रेखांकित हो रही हैं। एक, पश्चिम एशिया संकट के कारण देश की विकास दर में तेजी से गिरावट आ रही है। दो, भारत के तेजी से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भारत के हित में अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर हाल ही में गजट अधिसूचना के माध्यम से पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) जान फूंकते हुए दिखाई दे सकेंगी। इन चार श्रम संहिताओं- मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून उद्योग-कारोबार को मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देते हुए दिखाई दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि इस समय वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के कारण घटती हुई विकास दर को थामने तथा विकास दर को बढ़ाने के मद्देनजर भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और एफटीए की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 22 मई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है। इसी तरह पिछले दिनों 15 से 20 मई तक प्रधानमंत्री मोदी ने पांच देशों- संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा के दौरान इन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार के महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। इनमें सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, रक्षा और क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के दौरान इन देशों की 50 बड़ी वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के द्वारा भारत में अपनी व्यापार विस्तार योजनाओं के लिए लगभग 40 अरब डॉलर की राशि का निवेश संकल्प जताया गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस यात्रा के दौरान 19 मई को ओस्लो में संपन्न भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन यूरोप के नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के रिश्तों को व्यापक बनाने के मामले में अहम रहा है। नॉर्डिक देशों में उत्तरी यूरोप के डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देश शामिल हैं। अब भारत इनके साथ पारंपरिक कूटनीतिक रिश्तों के बजाय गहन रणनीतिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रहा है। नार्डिक देशों की कई बड़ी कंपनियों में से कई कंपनियां पहले से ही भारत में काफी अधिक निवेश कर चुकी हैं और उनका भारत में कुल निवेश लगभग 180 अरब डॉलर के आसपास है। नार्डिक देशों ने अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है और इसके बदले में भारत ने इन देशों की रक्षा कंपनियों को रक्षा उद्योग गलियारे में 100 फीसदी विदेशी निवेश पहुंच प्रदान करना सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि भारत एफटीए की डगर पर भी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले माह 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं। न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन और ओमान के साथ किए गए एफटीए का भी इसी वर्ष 2026 में आगामी महीनों में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही भारत-यूरोपीय संघ एफटीए का क्रियान्वयन भी इसी वर्ष संभावित है। इस समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं, कनाडा, इजरायल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर काम में तेजी आएगी। निश्चित रूप से भारत के बढ़ते हुए व्यापार समझौतों के अत्यधिक सकारात्मक परिदृश्य के बीच भारत में लागू नए सरल श्रम कानूनों की नई लाभप्रद अहमियत दिखाई दे रही है। नए श्रम कानूनों से व्यापार समझौतों का प्रभावी रूप से लाभप्रद क्रियान्वयन होगा। नए श्रम कानूनों से श्रमिकों की सुरक्षा में वृद्धि और बेहतर रोजगार ढांचे के लिए नियमों का आधुनिकीकरण उभर कर दिखाई दे रहा है। वहीं इनसे उद्योग-कारोबार को रफ्तार मिलेगी। ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। ये नई श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और नारी शक्ति व युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगी, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा। निःसंदेह नई श्रम संहिताओं ने श्रम नियमों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है। ये नई संहिताएं श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं। इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को नए श्रम कानून तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही नई श्रम संहिताओं से देश सेवा क्षेत्र के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानूनों से सेवा निर्यात में भी वृद्धि होते हुए दिखाई देगी। दुनिया में इस समय अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम विश्व आर्थिक परिदृश्य में प्रकाशित सेवा निर्यात से संबंधित अध्ययन रिपोर्ट भी रेखांकित हो रही है। इसमें कहा गया है कि हाल के दशकों में भारत से सेवाओं का निर्यात वस्तुओं की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ा है। ये ऐसी सेवाएं हैं जिन्हें बिना भौतिक निकटता के सीमाओं के पार पहुंचाना आसान है। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क ने कई सेवाओं को व्यापार योग्य बना दिया है। जैसे-जैसे दूरी का महत्त्व कम होता जा रहा है और डिजिटल व्यापार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ रहा है। वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2005 में 1.9 फीसदी से बढ़कर इस वर्ष 2025-26 में करीब 4.3 फीसदी हो गई है।

भारत के तेजी से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भारत के हित में अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर हाल ही में गजट अधिसूचना के माध्यम से पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) जान फूंकते हुए दिखाई दे सकेंगी। इन चार श्रम संहिताओं- मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून उद्योग-कारोबार को मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देते हुए दिखाई दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि इस समय वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के कारण घटती हुई विकास दर को थामने तथा विकास दर को बढ़ाने के मद्देनजर भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और एफटीए की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 22 मई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

देश दुनीया से

क्लब संस्कृति, सत्ता नेटवर्क और आम आदमी की दूरी

दिल्ली केवल भारत की राजधानी नहीं, बल्कि सत्ता की वह पुरानी चौसर है जहाँ मोहरे बदलते रहते हैं, पर खेल वही रहता है। यहाँ इतिहास केवल किताबों में नहीं बसता, बल्कि इमारतों की दीवारों, बंद दरवाजों और चमचमाते गलियारों में साँस लेता है। इस शहर में कुछ रास्ते जनता के लिए होते हैं और कुछ रास्ते उन लोगों के लिए, जिन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं पड़ती। लोकतंत्र की भीड़ भरी सड़कों के समानांतर यहाँ सत्ता के ऐसे शांत दरबार बसे हुए हैं, जहाँ प्रवेश केवल उन्हीं को मिलता है जिनके पास प्रभाव, वंश, संपर्क और सामाजिक प्रतिष्ठा का अदृश्य पासपोर्ट होता है। दिल्ली जिमखाना क्लब इसी स्थायी सत्ता का एक चमकदार प्रतीक है। हाल के दिनों में जब इस क्लब को खाली कराने और उसकी लीज समाप्त होने की चर्चा तेज हुई, तब पहली बार लगा कि किसी ने उस दुनिया की ओर उंगली उठाई है जिसे अब तक छूना भी असंभव माना जाता था। यह केवल एक भवन का प्रश्न नहीं है; यह उस मानसिकता का प्रश्न है जिसने लोकतंत्र के भीतर भी अभिजात्य साम्राज्य खड़े कर दिए। यह उस व्यवस्था पर सवाल है जिसमें कुछ लोग हमेशा मालिक बने रहते हैं और बाकी लोग केवल दर्शक। दिल्ली जिमखाना क्लब की स्थापना अंग्रेजों ने 1913 में "इम्पीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब" के रूप में की थी। वह दौर केवल राजनीतिक गुलामी का नहीं, बल्कि सामाजिक अपमान का भी दौर था। अंग्रेजों ने क्लबों को मनोरंजन स्थल से अधिक सामाजिक छँटनी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। वहाँ वही व्यक्ति "सभ्य" माना जाता था जो अंग्रेजी जीवन शैली के निकट हो। भारतीयों के लिए ऐसे क्लबों के दरवाजे या तो बंद रहते थे, या इतने संकरे कि प्रवेश करते हुए भी उन्हें हीनता का अनुभव हो। भाषा, पहनावा, खान-पान और रंग तक से सामाजिक स्तर तय किया जाता था। आजादी आई, तिरंगा लहराया, अंग्रेज चले गए, लेकिन उनकी बनाई हुई सामाजिक संरचनाएँ पूरी तरह नहीं टूटीं। वायसराय हाउस राष्ट्रपति भवन बन गया, आईसीएस का नाम आईएएस हो गया, पर सत्ता की आत्मा बहुत अधिक नहीं बदली। पहले जिन कुर्सियों पर गोरे साहब बैठते थे, वहाँ बाद में भूरे साहब बैठने लगे। लोकतंत्र आया, लेकिन अभिजात्य संस्कृति जस की तस बनी रही। दिल्ली जिमखाना धीरे-धीरे उस वर्ग का ठिकाना बन गया जिसे लोकतंत्र में भी कभी जनता के बीच जाकर स्वयं को सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यहाँ सदस्यता मिलना किसी परीक्षा को पास करने से अधिक कठिन माना जाता है। वर्षों का इंतजार, लाखों की फीस और प्रभावशाली संपर्क—ये सब मिलकर इसे सत्ता के एक ऐसे दुर्ग में बदल देते हैं जहाँ केवल वही पहुँच सकता है जिसके पास विशेषाधिकार की चाबी हो। यह क्लब खेल से अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रमाणपत्र बन गया। विडंबना देखिए कि लोकतंत्र समानता की बात करता है, लेकिन राजधानी के हृदय में ऐसे द्वीप मौजूद हैं जहाँ समानता प्रवेश द्वार पर ही दम तोड़ देती है। देश का सामान्य नागरिक टैक्स देता है, पर जिन जमीनों पर ये क्लब खड़े हैं, वहाँ उसका सहज प्रवेश तक संभव नहीं। गरीब की झुग्गी पर बुलडोजर चल सकता है, फुटपाथ पर बैठे रेहड़ी वाले को हटाया जा सकता है, लेकिन हजारों करोड़ की सरकारी जमीनों पर फैले इन स्थायी साम्राज्यों से प्रश्न पूछने की हिम्मत बहुत कम लोग कर पाते हैं। दिल्ली की सबसे क्रूर सच्चाई यही है कि यहाँ गरीब आदमी हमेशा अस्थायी होता है और अमीर आदमी हमेशा स्थायी। रिक्शावाले से पूछा जाता है कि "कब हटोगे?", लेकिन दशकों से सरकारी जमीनों पर बने एलीट क्लबों से कोई नहीं पूछता कि उनका अधिकार कब समाप्त होगा। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं, बल्कि मानसिक असमानता है। समाज ने इसे प्रतिष्ठा और मर्यादा का नाम देकर सामान्य बना दिया है। लेकिन कहानी केवल जिमखाना तक सीमित नहीं है। दिल्ली गोल्फ क्लब हो, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर हो या इंडिया हैबिटेट सेंटर—ये सभी केवल संस्थान नहीं, बल्कि सत्ता के समानांतर संसार हैं। दिल्ली गोल्फ क्लब में केवल खेल नहीं होता; वहाँ सत्ता और पूँजी का मौन संवाद चलता है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर बाहर से सांस्कृतिक मंच दिखता है, पर भीतर वह सेवानिवृत्त सत्ता का पुनर्जन्म स्थल बन जाता है। वहाँ वे लोग मिलते हैं जिनके पद समाप्त हो चुके होते हैं, लेकिन प्रभाव अब भी जीवित रहता है। इंडिया हैबिटेट सेंटर में वातानुकूलित सभागारों में गरीबी और सामाजिक न्याय पर चर्चाएँ होती हैं, जबकि उन्हीं चर्चाओं के बाहर खड़ा सामान्य नागरिक उस दुनिया का हिस्सा भी नहीं बन पाता जिसकी बातें उसके नाम पर की जा रही होती हैं। यही स्थायी सत्ता की असली ताकत है। सरकारें बदलती हैं, मंत्री बदलते हैं, राजनीतिक नारे बदलते हैं, लेकिन यह नेटवर्क हर शासन में सुरक्षित रहता है। यह वह वर्ग है जिसे चुनावी हार का भय नहीं होता, क्योंकि उसकी शक्ति केवल राजनीति से नहीं, सामाजिक पहुँच और संस्थागत प्रभाव से आती है। यही कारण है कि दिल्ली को केवल राजनीतिक राजधानी नहीं, बल्कि स्थायी सत्ता की राजधानी भी कहा जा सकता है। इतिहास गवाह है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग भी कई बार इस संरचना को चुनौती देने में असफल रहे। राजीव गांधी के दौर में सुरक्षा कारणों से इस क्लब को हटाने की चर्चा हुई, लेकिन वह संभव नहीं हो पाया।

आप का नजरीया

पंद्रह सौ रुपए वाली गारंटी

सरकार की घोषणाएं जितनी बड़ी होंगी, विपक्ष का विरोध भी उसी अनुपात में दर्ज होगा। फिर एक मशाल जलाने की कोशिश में हिमाचल सरकार ने हैरत को धुआं-धुआं कर दिया। स्थानीय निकाय चुनाव के आंगन में फैसलों के कयास उस समय भारी पड़ गए, जब सरकार ने अपने थैले से महिला वर्ग के आंचल में पूरी गारंटी रख दी। यानी अब वक्त आ गया है कि सारी हदें खोल दी जाएं। कल तक कुछ कबाइली या कुछ विशेष क्षेत्रों तक बंटी 15 सौ रुपए की गारंटी अब हर उस हिमाचली महिला को नसीब होगी जिसकी आमदनी सालाना दो लाख से कम रहेगी। यानी इतनी महिलाएं लाभान्वित हो जाएंगी कि वोटर लिस्ट में तूफान आ सकता है। यही इशारा, यही इरादा विपक्ष को तीर की तरह लगता है और मंत्रिमंडल की बैठक ने पंचायत राज चुनावों के अंतिम पहर को लिया, तो भाजपा चुनावी गुठलियों के दाम ढूंढने लगी है। बहरहाल अब हिमाचल की हर मंत्रिमंडलीय बैठक को आने वाले विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में तोला जाएगा। सारी खुदाई एक तरफ और चुनाव की तैयारी एक तरफ। सरकार अपनी प्रगति के पथ पर कई अहम फैसले, वक्त की इसी पैमाइश में लेगी और व्यवस्था परिवर्तन के सारे सारांश लिखेगी। यानी अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों की जुंबिश लगाकर सुक्खू सरकार अपने अवतरण से अवतार बनने का सारा मसौदा दिखाएगी। सबसे अहम पड़ाव महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का गारंटी शुदा भुगतान करके, वर्तमान सरकार अपने श्रेय की ईमानदार व्याख्या करेगी। यहां मसला न बजट की सादगी और न ही प्रदेश की प्राथमिकताओं का रहेगा, बल्कि जो कभी चुनावी मंच से कहा गया, उसे अगले चुनावों से पूर्व वादे की तरह निभा दिया गया। जाहिर है पंद्रह सौ का दांव भाजपा की दुकान को कमजोर करेगा। सुक्खू सरकार की काश्तकारी में मंत्रिमंडल की बैठक, प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा को खाद पानी का प्रबंध कर रही है, तो अपने विजन की इमारत को भी बुलंद कर रही है। मसलन फैसलों की अहमियत से हर क्षेत्र को फसल उपलब्ध कराने की कोशिश जारी है। नौकरी के दरवाजे से अगर अठारह सौ के करीब पद गुजर रहे हैं, तो युवा वर्ग के माथे पर टीका लगाया जा रहा है। शिक्षा क्षेत्र में हाल की उपलब्धियां और राष्ट्रीय रैंकिंग में आए सुधार आगे बढ़ रहे हैं, तो सरकार हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत तीन सौ स्कूलों के स्तर को सीबीएसई के मानदंडों से तोल कर, सुविधाएं बढ़ाना चाहती है। कारोबारियों के नजरिए में बदलाव लाकर दुकानों को चौबीस घंटे व्यापार के हवाले करने की मंजूरी दे रही है। इससे हाईवे तथा डेस्टिनेशन टूरिज्म के अलावा परिवहन क्षेत्र में परिवर्तन आने की संभावना है। सरकार पिछली सरकार के फैसले को पलटते हुए कांगड़ा से मंडी पहुंचाए गए, शाहनहर के मुख्य अभियंता दफ्तर को पुनः फतेहपुर पहुंचा रही है। कई और अहम बिंदुओं की शिनाख्त में सरकार ने नीतिगत फैसले लिए हैं, लेकिन हर निर्णय में इच्छाशक्ति का प्रदर्शन भी हुआ है। यह हिमाचल के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि सरकार अपने फैसलों की धरती को बसाना जानती है। हिम चंडीगढ़ की कल्पना के कार्यान्वयन में कई कदम ले रही सरकार ने अपने रिपोर्ट कार्ड में इसके नाम 8000 बीघा जमीन जुटा ली है। जाहिर है अब स्कूल-कालेज या चिकित्सा संस्थानों के बजाय विकास की उपयोगिता को बड़ी आंख से, बड़ी परियोजनाओं की तलाश में लगाया जा रहा है।

सरकार अपनी प्रगति के पथ पर कई अहम फैसले, वक्त की इसी पैमाइश में लेगी और व्यवस्था परिवर्तन के सारे सारांश लिखेगी। यानी अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों की जुंबिश लगाकर सुक्खू सरकार अपने अवतरण से अवतार बनने का सारा मसौदा दिखाएगी। सबसे अहम पड़ाव महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का गारंटी शुदा भुगतान करके, वर्तमान सरकार अपने श्रेय की ईमानदार व्याख्या करेगी। यहां मसला न बजट की सादगी और न ही प्रदेश की प्राथमिकताओं का रहेगा, बल्कि जो कभी चुनावी मंच से कहा गया, उसे अगले चुनावों से पूर्व वादे की तरह निभा दिया गया। जाहिर है पंद्रह सौ का दांव भाजपा की दुकान को कमजोर करेगा। सुक्खू सरकार की काश्तकारी में मंत्रिमंडल की बैठक, प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा को खाद पानी का प्रबंध कर रही है, तो अपने विजन की इमारत को भी बुलंद कर रही है। मसलन फैसलों की अहमियत से हर क्षेत्र को फसल उपलब्ध कराने की कोशिश जारी है। नौकरी के दरवाजे से अगर अठारह सौ के करीब पद गुजर रहे हैं, तो युवा वर्ग के माथे पर टीका लगाया जा रहा है। शिक्षा क्षेत्र में हाल की उपलब्धियां और राष्ट्रीय रैंकिंग में आए सुधार आगे बढ़ रहे हैं, तो सरकार हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत तीन सौ स्कूलों के स्तर को सीबीएसई के मानदंडों से तोल कर, सुविधाएं बढ़ाना चाहती है। कारोबारियों के नजरिए में बदलाव लाकर दुकानों को चौबीस घंटे व्यापार के हवाले करने की मंजूरी दे रही है। इससे हाईवे तथा डेस्टिनेशन टूरिज्म के अलावा परिवहन क्षेत्र में परिवर्तन आने की संभावना है। सरकार पिछली सरकार के फैसले को पलटते हुए कांगड़ा से मंडी पहुंचाए गए।

दृष्टि कोण

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि "मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।" ट्रंप ने यह तक कहा कि "हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।" यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है। देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान "अमेरिका फर्स्ट" की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं। दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है। अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे।

जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार रखें पुलिस कर्मचारी : सिद्धांत जैन

हिसार (हिंस)। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली, अनुशासन, वर्दी, उपकरणों तथा वाहनों की स्थिति का गहनता से निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर एसपी ने मौके पर मौजूद ईआरवी, पीसीआर एवं राइडर स्टाफ को चैक करते हुए उनकी कार्यक्षमता का जायजा लिया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने, ड्यूटी के दौरान सतर्क रहने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। परेड के दौरान एएसपी मंयक मुदगिल व डीएसपी बरवाला सुमित कुमार भी रहे मौजूद। निरीक्षण के दौरान पुलिस वाहनों, संचार उपकरणों एवं अन्य संसाधनों की स्थिति भी जांची गई। एसपी हिसार ने कहा कि आमजन की सुरक्षा एवं सहायता के लिए पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए प्रत्येक कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं तत्परता के साथ करना चाहिए। इसके उपरांत अर्दली रूम में पुलिस कर्मचारियों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं। एसपी ने कर्मचारियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि पुलिस विभाग में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी है तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। एसपी ने सभी कर्मचारियों को अनुशासन, पारदर्शिता एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है और इस विश्वास को बनाए रखना प्रत्येक पुलिसकर्मी की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण की परंपरा को किया पुनर्जीवित : मंत्री सुमित गोदारा

बीकानेर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की जल और पर्यावरण संरक्षण की अभिनव मुहिम के रूप में *वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान* सोमवार को शुरू हुआ। अभियान का शुभारंभ समारोह आरएसी की दसवीं बटालियन परिसर में हुआ। समारोह में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, प्रभारी सचिव हेमंत गेरा, संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, जिला कलक्टर निशान्त जैन, राजीविका की मिशन निदेशक प्रियंका गोस्वामी, श्याम पंचारिया और सुमन छाजेड़ सहित अन्य विशिष्टजन मौजूद रहे। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मरूस्थलीय क्षेत्र के लोग बूंद-बूंद पानी की कीमत समझते हैं। यहां जल संरक्षण और जल संग्रहण की पुरातन परंपरा रही है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में इस परंपरा को पुन: प्रारम्भ किया गया है। आने वाले समय में

इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस मुहिम से जुड़ना चाहिए। गोदारा ने कहा कि *एक पेड़ मां के नाम* अभियान से आमजन में पौधारोपण के प्रति जागरुकता आई है। मरूस्थलीय क्षेत्र में भी हरियाली बढ़ी है और औसत वर्षा में भी इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि अभियान से जुड़े सभी विभाग पूर्ण गंभीरता से कार्य करें तथा पर्यावरण दिवस तक इस जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास हो। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे ने अभियान की रूपरेखा के बारे में बताया तथा स्वागत उद्बोधन दिया। इस दौरान उपवन संरक्षक जी वैंकटेश, उपखंड अधिकारी महिमा कसाना, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिलीप कुमार तथा अधीक्षण अभियंता (जलग्रहण) महेश अजाड़ीवाल ने भी विचार व्यक्त किए। इससे पहले खाद्य मंत्री गोदारा तथा विधायक व्यास सहित अन्य अतिथियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच घट पूजन के साथ अभियान की शुरूआत की। इसके लिए गंगाजल का उपयोग भी किया गया। समारोह के दौरान राजीविका के स्वयं सहायता समूहों, नगर निगम, उरमूल डेयरी, जलग्रहण, सूचना एवं जनसंपर्क तथा वन विभाग की नौ स्टॉल्स भी लगाई गई। अतिथियों ने इनका अवलोकन किया। भरत कला मंडल के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण से संबंधित शपथ दिलाई। कार्यक्रम के अंत में खाद्य मंत्री गोदारा, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित अन्य अतिथियों ने पौधारोपण किया। संचालन करते हुए जिला परिषद के आईईसी कॉर्डिनेटर गोपाल जोशी ने अभियान के महत्व के बारे में बताया। समारोह में जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका तलानिया, दीपक पारीक, मोतीलाल हर्ष सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा के सभी बस अड्डों से हटाए जाएंगे अवैध कब्जे : अनिल विज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि अब राज्य के बस अड्डों पर यात्रियों की आवाजाही, स्वच्छता एवं सुरक्षा में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही, बस अड्डों पर अवैध कब्जों, अतिरिक्त काउंटरों, रेहड़री-फड़ी और अनधिकृत गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को चंडीगढ़ में परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी बस अड्डों पर अतिक्रमण रोकने तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परिवहन विभाग के महानिदेशक द्वारा हरियाणा रोडवेज के सभी महाप्रबंधकों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। परिवहन मंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि बस अड्डे आमजन की सुविधा के लिए होते हैं और वहां यात्रियों की आवाजाही, स्वच्छता एवं सुरक्षा में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी और बस अड्डों पर अवैध कब्जों, अतिरिक्त काउंटरों, रेहड़ी-फड़ी और अनधिकृत गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। विज ने जारी निर्देशों के अनुसार बताया कि कोई भी दुकानदार, वेंडर अथवा अन्य व्यक्ति बस अड्डे के प्लेटफॉर्म, सड़क, फुटपाथ, प्रतीक्षालय या सार्वजनिक स्थान पर किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करेगा। दुकान से संबंधित सामान जैसे रैक, फ्रिज, क्रेट, टेबल, बेंच, बोर्ड अथवा अन्य सामग्री केवल निर्धारित दुकान क्षेत्र के भीतर ही रखी जा सकेगी। इसके अलावा, अस्थायी स्टॉल, फेरी लगाने वाले, अनधिकृत विक्रेता तथा दुकान के बाहर अतिरिक्त काउंटर लगाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस अड्डों पर नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाए जाने पर तुरंत उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाए। आवश्यक होने पर जुर्माना, दुकान आवंटन रद्द करना, दुकान सील करना अथवा सामान जब्त करने जैसी कार्रवाई भी की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री की भरतपुर यात्रा से पहले गहलोत ने नारी शक्ति योजना की बदहाली पर उठाए सवाल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भरतपुर यात्रा को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राज्य सरकार की फ्लैगशिप *मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना* की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए और इसे प्रशासनिक शिथिलता तथा बैंकों की मनमानी का शिकार बताया। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री कई महीनों बाद अपने गृह जिले भरतपुर के दौरे पर हैं, लेकिन उन्हें प्रदेशभर में दम तोड़ रही महिला उद्यमिता योजना की जमीनी हकीकत पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू

की गई योजना आज प्रभावी क्रियान्वयन के अभाव में पिछड़ती जा रही है। गहलोत ने दावा किया कि महिला अधिकारिता विभाग द्वारा बैंकों को भेजे गए 2, 546 से अधिक आवेदन लंबित पड़े हैं और प्रदेश के 10 बड़े बैंकों ने अब तक एक भी महिला को ऋण स्वीकृत नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से एक करोड़ रुपए तक के ऋण देने के दावे किए गए थे, लेकिन वास्तविकता में महिलाओं को औसतन केवल 10.62 लाख रुपए का ऋण ही मिल पा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि योजना के निर्धारित लक्ष्य पूरे नहीं हो सके हैं और प्रदेश के 41 में से 23 जिले लक्ष्य से पीछे चल रहे हैं।

11 सूत्री मांगों को लेकर सफाई कर्मियों का जोरदार प्रदर्शन

बेतिया (हिंस)। नगर पंचायत लौरिया के सफाई कर्मियों ने सोमवार को 11 सूत्री मांगों को लेकर नगर पंचायत कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया म्युनिसिपल वर्कर्स एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित आंदोलन की अध्यक्षता पिंकी देवी ने की। धरना को संबोधित करते हुए अध्यक्ष पिंकी देवी ने कहा कि सफाई कर्मियों को समय पर चार जोड़ी वर्दी, हैंड ग्लव्स, मास्क और जूते उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही सरकारी छुट्टियों एवं त्योहारों में वेतन कटौती बंद की जाए तथा ड्यूटी के दौरान दुर्घटना होने पर कर्मियों को मुआवजा राशि देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पंचायत प्रशासन द्वारा सफाई कर्मियों को मूलभूत सुरक्षा संसाधनों से भी वंचित रखा जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान सफाई कर्मियों ने आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त कर स्थायी नियुक्ति, वेतनमान वृद्धि, ईपीएफ में पारदर्शिता तथा सभी कर्मियों को सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई। धरना को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी सह ट्रेड यूनियन सेंटर ऑफ इंडिया (टीयूसीआई) के केंद्रीय कमेटी सदस्य रवीन्द्र कुमार *रवि* ने कहा कि वर्षों से नगर निकायों में स्थायी बहाली नहीं

होने से सफाई कर्मियों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार के चारों लेबर कोड को श्रमिक विरोधी बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि आउटसोर्सिंग प्रथा समाप्त कर नियमित बहाली शुरू नहीं की गई तो आंदोलन को राज्यव्यापी रूप दिया जाएगा। टीयूसीआई के जिला प्रभारी हरिशंकर प्रसाद ने सफाई कर्मियों का मासिक वेतन 21 हजार रुपए करने की मांग उठाई। वहीं अध्यक्ष पिंकी देवी ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत में वर्षों से वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं की गई है और कई कर्मियों के ईपीएफ खाते का स्पष्ट हिसाब भी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। सफाई कर्मी मिठाई राम ने बताया कि नगर पंचायत में कार्यरत केवल 15 कर्मियों का ही पीएफ काटा जाता है और जमा राशि भी अनियमित है। धरना के बाद सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों का ज्ञापन नगर पंचायत कार्यालय में सौंपा। पिंकी देवी ने स्पष्ट कहा कि यदि 12 जून तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो 13 जून से सभी सफाई कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

बढ़ी तेल की कीमत से आम जन परेशान, हरियाणा सरकार वैट घटाकर दे राहत : भूपेंद्र हुड्डा

रोहतक (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम जनता महंगाई की मार झेल रही है, लेकिन सरकार राहत देने के बजाय बोझ बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पहले की तुलना में अब भी कम हैं, इसके बावजूद देश में तेल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसकी बड़ी वजह डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत है। रोहतक स्थित अपने आवास पर सोमवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि तेल की बढ़ी कीमतों का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। परिवहन से लेकर रोजमर्रा की जरूरत की हर वस्तु महंगी हो रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। उन्होंने हरियाणा सरकार से मांग करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करके जनता को राहत देनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि बढ़ती महंगाई और रोजगार की कमी के कारण प्रदेश में प्रवासी मजदूरों का पलायन भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों और छोटे कारोबारों पर भी आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। सरकार के पास आम लोगों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा की मौजूदा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। इस दौरान पत्रकारों ने जब पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को लेकर सवाल किया तो हुड्डा ने बेबाक अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि *ये मेरी मर्जी है कि मैं कहीं जाऊं या ना जाऊं।* साथ ही उन्होंने वरिष्ठ नेता बीरेंद्र सिंह को लेकर कहा कि वे अब बुजुर्ग हो चुके हैं। अगर वे उनके बारे में कुछ कहते हैं तो वह सब माफ है। हुड्डा ने कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत संबंध अलग होते हैं।

कटिहार में *जनजातीय गौरव उत्सव 2026* का शानदार समापन, 3548 आवेदनों में से 3458 का हुआ निष्पादन

कटिहार (हिंस)। जिले के 13 आदिवासी बहुल प्रखंडों में आयोजित सात दिवसीय *जनजातीय गौरव उत्सव 2026* राष्ट्रीयव्यापी आईईसी अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। 19 मई से 25 मई 2026 तक चले इस विशेष कल्याणकारी शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए ग्रामीणों से कुल 3, 548 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से त्वरित कार्रवाई करते हुए 3, 458 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि शेष बचे 90 लंबित आवेदनों को पूरा करने की प्रक्रिया चल रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य *जन भागीदारी- सबसे दूर सबसे पहले* के संकल्प के तहत सुदूर क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना था। शिविर का आयोजन कटिहार, मनसाही, अहमदाबाद, हसनगंज, डंडखोरा, कोढ़ा, फलका, आजमनगर, प्राणपुर, बलरामपुर,

बरारी, कुर्सेला एवं मनिहारी प्रखंडों की कुल 42 पंचायतों के 82 चयनित गांवों में किया गया था। शिविरों में सबसे अधिक रुझान स्वास्थ्य संबंधी जांच और योजनाओं को लेकर देखा गया। आंकड़ों के मुताबिक, सिकल सेल एनीमिया की जांच और उपचार के लिए रिकॉर्ड 1, 841 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका शत-प्रतिशत निष्पादन किया गया। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड के लिए 557 और मनरेगा जॉब कार्ड के लिए 353 आवेदन आए, जिन्हें पूरी तरह स्वीकृत कर दिया गया। अन्य प्रमुख योजनाओं में जीविका समूह संबद्धता के तहत 215, जाति/आय/आवासीय प्रमाण-पत्र के 145, पेंशन के 121, आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के नामांकन के 57 और राशन कार्ड के 50 आवेदनों का निष्पादन किया गया। साथ ही आवास योजना के 33, जन-धन बैंक खाता के 20, किसान सम्मान निधि योजना के 10, जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र के 12 और कृषि विद्युत संबद्धता के 2 आवेदनों को भी पूरा किया गया। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि सभी संबंधित विभागों द्वारा आयोजित इन शिविरों में अधिकांश काम मौके पर ही निपटा लिए गए, लेकिन कुछ विभागों में अभी भी काम लंबित है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, ई-श्रम कार्ड निबंधन के सभी 22 आवेदन, उज्ज्वला योजना के 16 आवेदन और किसान क्रेडिट कार्ड के सभी 10 आवेदन वर्तमान में लंबित हैं। इसके अलावा जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र के 25, राशन कार्ड के 7, जाति/आय/आवासीय प्रमाण-पत्र के 6, कृषि विद्युत संबद्धता के 3 और जन-धन बैंक खाता का 1 आवेदन प्रक्रिया में है। अधिकारियों का कहना है कि इन सभी 90 लंबित मामलों को भी प्राथमिकता के आधार पर जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

मरुधरा ब्लू सिटी फैशन शो सात जून को, पंजीकरण शुरू

जोधपुर (हिंस)। मरुधरा लोक कला और संगीत सेवा संस्थान के तीन साल पूरे होने पर विभिन्न प्रकार के आयोजन करने के लिए कार्यकारिणी की बैठक कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिसके चलते जून माह में चार बड़े आयोजन करके राजस्थानी लोक कला के संरक्षण के साथ राजस्थानी लोक कलाकारों को व्यापक स्तर पर मंच उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद संस्थान अध्यक्ष डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि बैठक में डिंपल गौड़, रश्मि शर्मा, सुरभि शर्मा, अनिता गहलोत और सुनंदा पुरोहित मौजूद रही। संस्थान द्वारा आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में मरुधरा ब्लू सिटी फैशन शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा, जिसका आयोजन 7 जून को किया जाएगा। फैशन शो के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। आयोजन में पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति और आधुनिक फैशन का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस आयोजन की जिम्मेदारी प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर के रूप में रश्मि शर्मा को दी गई है। इसके अलावा 19, 20 और 21 जून को राजस्थान लोक कला उत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय इस महोत्सव में राजस्थानी लोकगीत, संगीत एवं नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान लाइव लोक संगीत कंसर्ट का आयोजन भी होगा, जिसमें प्रदेश के ख्यातिप्राप्त लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। संस्थान द्वारा मरुधरा गौरव सम्मान समारोह का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें कला, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को हर साल

की तरह सम्मानित किया जाएगा। साथ ही राजस्थानी लोक कलाकार सम्मेलन का आयोजन कर लोक कलाकारों की समस्याओं, सुझावों एवं कला संरक्षण को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। तीन दिवसीय राजस्थानी लोक कला उत्सव के प्रथम दिन 19 जून को भव्य लाइव राजस्थानी लोक संगीत कंसर्ट आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकार अपनी लोक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को प्रस्तुत करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पत्नी के साथ जयपुर में देखा आमेर महल

जयपुर (हिंस)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो सोमवार दोपहर जयपुर पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी जेनेट डी. रूबियो और अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री करीब पौने दो बजे आगरा से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। रूबियो एयरपोर्ट से परिवार के साथ सीधे आमेर महल पहुंचे। महल के जलेब चौक में उनका पारंपरिक राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया गया। लोक कलाकारों ने उनके स्वागत में परम्परागत घूमर, कालबेलिया और कच्छी घोड़ी की प्रस्तुति दी। गाइड ने उन्हें आमेर के शीश महल, गणेश पोल, दीवाने आम, दीवाने खास, सुख निवास और मावठा झील के बारे में जानकारी दी। आमेर के दौरे के बाद मार्को रूबियो हाथी गांव और सिटी पैलेस भी जाएंगे। रूबियो जयपुर के हेरिटेज होटल रामबाग पैलेस में रात्रि विश्राम करेंगें। दौरे को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों अलर्ट हैं।

सीबीएसई पाठ्यक्रम में मैथिली को मिली मातृभाषा के रूप में मान्यता, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया स्वागत

पटना (हिंस)। अपनी मिठास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए पहचान रखने वाली मैथिली भाषा को अब शिक्षा जगत में एक नई पहचान मिली है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपने पाठ्यक्रम में मैथिली भाषा को मातृभाषा विषय के रूप में मान्यता दे दी है। इस फैसले के बाद अब पहली कक्षा से माध्यमिक स्तर तक के विद्यार्थी मैथिली भाषा की पढ़ाई कर सकेंगे। इस निर्णय का बिहार सरकार ने स्वागत किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को इस फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे मिथिला की सांस्कृतिक अस्मिता और भाषाई गौरव के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि मिथिला की समृद्ध परंपरा और मातृभाषा मैथिली को शिक्षा व्यवस्था में सशक्त स्थान दिलाने की दिशा में यह निर्णय अत्यंत स्वागतयोग्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण तथा संवर्धन को लगातार मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि सीबीएसई पाठ्यक्रम में मैथिली को शामिल किए जाने से आने वाली

पीढ़ियां अपनी मातृभाषा, संस्कृति और जड़ों से और अधिक मजबूती से जुड़ सकेंगी। दरअसल, दरभंगा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद गोपाल जी ठाकुर ने 8 फरवरी 2026 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात कर मैथिली भाषा को सीबीएसई पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की थी। इसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पहल करते हुए मैथिली को मातृभाषा विषय के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। इस संबंध में केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने सांसद गोपाल जी ठाकुर को पत्र लिखकर फैसले की जानकारी दी। पत्र में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) से इस विषय पर जांच कराई गई थी। एनसीईआरटी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत अनुशंसा की है कि पांचवीं कक्षा तक और यथासंभव आठवीं कक्षा तक विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा दी जानी चाहिए। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि मैथिली संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से एक है। एनसीईआरटी द्वारा मैथिली सहित 121 भारतीय भाषाओं में प्राइमर विकसित किए गए हैं। इसके अलावा, एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का अनुवाद भी मैथिली सहित 22 अनुसूचित भाषाओं में किया जा रहा है। शिक्षा विशेषज्ञों और मैथिली भाषा प्रेमियों ने इस फैसले को भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

रामजन्मभूमि मंदिर में राम परिवार की प्रथम वर्षगांठ पर यज्ञशाला में होगा विशेष धार्मिक अनुष्ठान

अयोध्या (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राम नगरी अयोध्या में राम मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित राम परिवार की स्थापना की प्रथम वर्षगांठ मंगलवार को गंगा दशहरा पर आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर राम मंदिर में विशेष हवन-पूजन, भक्ति-उल्लास से राम मंदिर सराबोर होगा। कार्यक्रम एक सादे समारोह में होगा। पिछले वर्ष गंगा दशहरे के मौके पर ही शेषावतार व परकोटा में बने 6 मंदिरों की भी स्थापना हुई थी। प्रथम वर्षगांठ के मौके पर राम मंदिर यज्ञशाला में विशेष धार्मिक अनुष्ठान होगा। राम परिवार को नवीन वस्त्र पहनाए जाएंगे, 56 भोग का भोग लगेगा, बाल्मीकि रामायण का पारायण होगा । पिछले वर्ष 5 जून 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राम परिवार की स्थापना हुई थी। हिंदी तिथि के अनुसार इस वर्ष कल 26

- **राम परिवार को पहनाए जाएंगे नवीन वस्त्र**
- **लगेगा 56 भोग**
- **बाल्मीकि रामायण का होगा पारायण**

मई को गंगा दशहरा के पर्व पर प्रथम वर्षगांठ मनाया जाएगा और यज्ञशाला में विशेष धार्मिक अनुष्ठान होगा।

मई का आखिरी हफ्ता : शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कार्पोरेट एक्शन्स का महा-उत्सव

मुफ्त बोनस शेयरों से चमकेगा पोर्टफोलियो, बड़े डिविडेंड और स्टाक स्प्लिट की भी उम्मीद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में सक्रिय निवेशकों और अपने पोर्टफोलियो को चमकाने की चाहत रखने वालों के लिए मई का आखिरी हफ्ता एक बड़े उत्सव जैसा माहौल लेकर आ रहा है। दलाल स्ट्रीट पर बारीक नजर रखने वाले निवेशकों को आगामी कुछ दिन एक्स्ट्रा कमाई का शानदार मौका प्रदान करने वाले हैं। बाजार में कार्पोरेट एक्शन्स का एक ऐसा महा-धमाका होने जा रहा है, जहां एक साथ चौतरफा मुनाफे की बारिश की संभावना है।

मुफ्त बोनस शेयर, स्टाक स्प्लिट और बंपर डिविडेंड के जरिए निवेशकों की झोली खुशियों और पैसों से भरने की पूरी तैयारी है। ऐसे मौके कम ही आते हैं जब बाजार एक साथ इतनी संभावनाओं को निवेशकों के सामने परोसता है, इसलिए इस विशेष अवधि पर पैनी नजर रखना बेहद महत्वपूर्ण होगा। कंपनियों ने इन आकर्षक लाभों का वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक्स-डेट और रिकार्ड डेट जैसी महत्वपूर्ण तिथियों का निर्धारण कर लिया है। इन तिथियों से पहले संबंधित शेयरों को खरीदने वाले निवेशक ही इन कार्पोरेट लाभों के हकदार होंगे। आइए जानते हैं कि इस बार बाजार में निवेशकों के लिए बंपर कमाई का क्या हिसाब-किताब छुपा है, विशेषकर बोनस शेयरों के मोर्चे पर: दो कंपनियां बांटेंगी मुफ्त बोनस शेयर: आगामी सप्ताह में दो कंपनियां अपने निवेशकों पर खास मेहरबानी दिखाते हुए मुफ्त बोनस शेयरों की सौगात देने जा रही हैं- एफ मेक इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कंपनी के बोर्ड ने निवेशकों के लिए 3:1 के अनुपात (रेशियो) में बोनस शेयर जारी करने का फैसला किया है। इसका सीधा अर्थ है कि यदि आपके पास इस कंपनी का 1 शेयर है, तो कंपनी आपको 3 अतिरिक्त बोनस शेयर बिल्कुल मुफ्त में देगी, जिससे आपके कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 4 हो जाएगी। इस धमाकेदार बोनस के लिए कंपनी ने 26 मई, 2024 को एक्स-डेट और रिकार्ड डेट निर्धारित की है। निवेशकों को इस तारीख से पहले शेयर अपने डीमैट खाते में सुनिश्चित करने होंगे।

न्यूज ब्रीफ

पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद के कारण कच्चे तेल में नरमी का रुख, मई में पहली बार 100 डॉलर से नीचे आई कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) के मसौदे पर काफी हद तक सहमत हो जाने की खबर के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में बड़ी गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मई के महीने में पहली बार कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे आ गया है। ब्रेंट क्रूड ने 4.93 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट के साथ मई के महीने में पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे जाकर 98.61 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत उछल कर 99.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंची, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में गिरावट का रुख बन गया। थोड़ी देर में ही ब्रेंट क्रूड गिर कर 97.40 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 5.61 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 97.93 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी 4.59 डॉलर प्रति बैरल की कमजोरी के साथ 92.01 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरूआती कारोबार में डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 92.55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में गिरावट आ गई। थोड़ी देर में ही डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरकर 90.45 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 5.49 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 91.11 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

निसान टेक्टान हाइब्रिड पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया जल्द ही एक नई सी-सेगमेंट एसयूवी, निसान टेक्टान हाइब्रिड, पेश करने की तैयारी में है। इस बहुप्रतीक्षित एसयूवी को कंपनी ने 9 जुलाई 2026 को लान्च करने की घोषणा की है। रेनो डस्टर के प्लेटफार्म पर आधारित यह एसयूवी हाइब्रिड तकनीक के साथ आएगी, जिससे ग्राहकों को बेहतर माइलेज और दमदार परफार्मेंस का अनुभव मिलेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमत 11 लाख रुपये से शुरू होकर 19 लाख रुपये तक जा सकती है। नई टेक्टान का डिजाइन निसान पेट्रोल एसयूवी से प्रेरित होगा, जिसमें एक बोल्ड फ्रंट ग्रिल, कनेक्टेड एलईडी लाइट बार, मजबूत बोनट और आकर्षक एसयूवी स्टाइल शामिल होंगे। इसके इंटीरियर में आधुनिकता का पूरा ध्यान रखा गया है, जिसमें ट्रिपल-टोन डैशबोर्ड, एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जर और पैनोरमिक सनरूफ जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए जा सकते हैं।

टोयोटा की हाइब्रिड कारों ने पार किया 3 लाख बिक्री का आंकड़ा

नई दिल्ल। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी हाइब्रिड कारों की बिक्री का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। कंपनी की कुल हाइब्रिड वाहन बिक्री अब 3 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई है, जो देश में सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक की बढ़ती स्वीकार्यता और लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है। बेहतर माइलेज, कम रनिंग कॉस्ट और बाहरी चार्जिंग की आवश्यकता न होने जैसे कारकों ने ग्राहकों को तेजी से हाइब्रिड वाहनों की ओर आकर्षित किया है। इस प्रभावशाली उपलब्धि में कंपनी की अर्बन क्रूजर हाईराइडर और इनोवा हाईक्रॉस ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। कुल हाइब्रिड बिक्री में इन दोनों मॉडलों की हिस्सेदारी लगभग 78 प्रतिशत बताई जा रही है। हाईराइडर को मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में अपने शानदार माइलेज और कम ईंधन खर्च के लिए काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, इनोवा हाईक्रॉस ने फैमिली एमपीवी सेगमेंट में अपनी मजबूत पहचान बनाई है, जिसे लंबे सफर में बेहतर फ्यूल एफिशियंसी और आरामदायक ड्राइविंग अनुभव के लिए सराहा जाता है। इन प्रमुख मॉडलों के अलावा, कैमरी हाइब्रिड और वेलफायर जैसी प्रीमियम हाइब्रिड गाड़ियों ने भी कुल बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। टोयोटा ने इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ग्राहकों का बढ़ता भरोसा और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक की मांग हाइब्रिड वाहनों को तेजी से लोकप्रिय बना रही है।

पेट्रोल-डीजल ने फिर दिया झटका, 2.71 तक बढ़ गए दाम

दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए, डीजल 95.20 के पार, 10 दिनों में चौथी बढ़ोतरी

नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को एक बार फिर आम आदमी को महंगाई का तगड़ा झटका दिया है। पेट्रोल और डीजल के दाम फिर बढ़ा दिए गए हैं, जिससे पिछले 10 दिनों में यह चौथी वृद्धि है। दिल्ली में पेट्रोल अब 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। हालांकि, यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें दो सप्ताह के निचले स्तर पर आ गई हैं, जिससे ईंधन कंपनियों के तर्क पर सवाल खड़े हो गए हैं। पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपए और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी के साथ, आम लोगों की जेब पर बोझ और बढ़ गया है। दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल के लिए 102.12 रुपए चुकाने होंगे, जबकि डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। सिर्फ सामान्य ईंधन ही नहीं, प्रीमियम एक्सपी95 और एक्सजी जैसे ईंधनों के दाम भी उसी रफ्तार से बढ़े हैं। एक्सपी95 अब 109.24 रुपए और एक्सजी 100.52 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। देश के प्रमुख शहरों में भी ईंधन के दाम आसमान छू रहे हैं। कोलकाता में पेट्रोल 2.87 बढ़कर 113.51 रुपए प्रति लीटर हो गया है। आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 2.72 महंगा होकर 111.21 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि चेन्नई में 2.46 की वृद्धि के बाद नया दाम 107.77 रुपए प्रति लीटर है। तेल कंपनियों ने इस बढ़ोतरी का कारण ईरान संकट और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से हो रहे घाटे की भरपाई को बताया है। यह पिछले 10 दिनों में चौथी बार है जब ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। इससे पहले 15 मई को पेट्रोल 3, 19 मई को 90 पैसे और 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ था। हालांकि, इस तर्क पर सवाल तब उठते हैं जब सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की उम्मीदों के चलते ब्रेंट क्रूड वायदा 4.55 फीसदी गिरकर 98.83 डालर प्रति बैरल पर आ गया, वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 4.73 फीसदी टूटकर 92.03 प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। दोनों ही अनुबंधों के लिए यह 7 मई के बाद का सबसे निचला स्तर है, जो तेल कंपनियों द्वारा बताई गई घाटे की वजह पर सवालिया निशान लगाता है।

अपाचे आरटीआर 200 नए अवतार में पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी लोकप्रिय अपाचे आरटीआर 200 4वी को एक नए और अपडेटेड अवतार में पेश किया है। कंपनी ने इसे नवीनतम ओबीडी-2बी एमिशन नार्म्स के अनुरूप बनाया है, जिससे यह न केवल अधिक शक्तिशाली है बल्कि पर्यावरण के प्रति भी अधिक जिम्मेदार है। इस बाइक को आधुनिक फीचर्स और बेहतरीन तकनीक के साथ तैयार किया गया है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये रखी गई है। बाइक को तीन नए आकर्षक रंगों ग्लासी ब्लैक, मैट ब्लैक और ग्रेनाइट ग्रे में लान्च किया गया है, और सभी वेरिएंट्स में लाल अलाय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसके स्पोर्टी लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। नई अपाचे आरटीआर 200 4वी में 37 एमएम का गोल्डन यूएसडी फोर्क शामिल किया गया है, जो राइडिंग स्थिरता को काफी बढ़ा देता है। इसके साथ ही, इसमें एक नया हाइड्रोफार्म्ड हैंडलबार भी दिया गया है, जो तेज रफ्तार और चुनौतीपूर्ण मोड़ों पर सवार को बेहतर कंट्रोल प्रदान करता है। बाइक में 197.5 सीसी का सिंगल सिलेंडर आयल-कूल्ड इंजन है, जो 20.5 हार्स पावर की अधिकतम शक्ति और 17.25 एनएम का टार्क उत्पन्न करता है। यह इंजन 6-स्पीड गियरबाक्स और स्लिपर क्लच के साथ आता है, जिससे गियर शिफ्टिंग स्मूथर और अधिक रिस्पांसिव हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो, इसमें डुअल चैनल एबीएस, अर्बन, स्पोर्ट और रेन जैसे तीन राइडिंग मोड्स, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, स्मार्टकनेक्ट, वायस असिस्ट और फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे उन्नत फीचर्स मिलते हैं।

टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच सुलझा गतिरोध

मुंबई

टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच सप्ताहांत में हुई मुलाकात के साथ ही करीब तीन महीने से चला आ रहा गतिरोध खत्म हो गया है। यह सुलह 26 मई को होने वाली टाटा संस की अहम बोर्ड बैठक से ठीक पहले हुई है, जहां समूह के भविष्य के नेतृत्व, चंद्रशेखरन के कार्यकाल और कंपनी की सूचीबद्धता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

यह मुलाकात 24 फरवरी को बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई पिछली बोर्ड बैठक के बाद हुई है। नोएल टाटा ने पिछली बैठक में एयर इंडिया, टाटा डिजिटल और टाटा इलेक्ट्रानिक्स जैसी समूह की कंपनियों के वित्तीय मामलों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कथित तौर पर कई कंपनियों की लाभप्रदता को चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल से जोड़ा था, जिसका अनुमोदन टाटा ट्रस्ट्स ने जुलाई 2023 में किया था। आगामी बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में कार्यकाल के नवीनीकरण पर विचार होने की संभावना है, जिसका दूसरा कार्यकाल फरवरी 2027 में समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त, टाटा संस को सूचीबद्ध कराने का मुद्दा भी एजेंडे में शामिल हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पहले टाटा संस को ऊपरी श्रेणी की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में वर्गीकृत किया था, जिसके लिए तीन साल में सूचीबद्धता अनिवार्य थी। हालांकि, कंपनी ने बाद में कर्ज मुक्त होकर छूट मांगी थी, लेकिन हाल ही में आरबीआई ने संकेत दिया है कि समूह की कंपनियों के माध्यम से सार्वजनिक धन तक अप्रत्यक्ष पहुंच के कारण यह गैर-सूचीबद्ध नहीं रह पाएगी। बैठक में टाटा समूह के उच्च पूंजी निवेश वाले हाईटेक व्यवसायों और लाभ न कमाने वाले कारोबार पर भी चर्चा होगी।

26 मई को होने वाली बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन का कार्यकाल और सूचीबद्धता जैसे मुद्दों पर होगी चर्चा

किआ की सेल्टास और स्कोडा आटो की कुशाक लोकप्रिय

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ की सेल्टास और स्कोडा आटो की कुशाक ग्राहकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए हैं। यह दोनों ही एसयूवी आधुनिक फीचर्स, दमदार परफार्मेंस और प्रीमियम डिजाइन के साथ आती हैं, जिससे 15 लाख रुपये के बजट में ग्राहकों के लिए चुनाव करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। किआ सेल्टास की कीमत 10.99 लाख रुपये से शुरू होकर 19.99 लाख रुपये तक जाती है, जबकि स्कोडा कुशाक 10.69 लाख रुपये से 18.99 लाख रुपये तक उपलब्ध है। किआ सेल्टास अपने बड़े आकार, प्रीमियम इंटीरियर और उन्नत फीचर्स के कारण विशेष रूप से पारिवारिक ग्राहकों को आकर्षित करती है। इसमें डुअल 12.3 इंच डिस्प्ले, वेंटिलेटेड सीट्स, 64 कलर एंबियंट लाइटिंग और लेवल-2 एडीएएस जैसे फीचर्स मिलते हैं। वहीं, स्कोडा कुशाक अपने यूरोपीय डिजाइन, मजबूत बिल्ड क्वालिटी और शानदार ड्राइविंग अनुभव के लिए जानी जाती है। सुरक्षा के मामले में दोनों ही एसयूवी बेहद मजबूत हैं। सेल्टास को भारत एनकैप में पांच स्टार रेटिंग मिली है, जबकि कुशाक को ग्लोबल एनकैप में पांच स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। दोनों में छह एयरबैग, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और कई अन्य आधुनिक सुरक्षा फीचर्स स्टैंडर्ड के तौर पर मिलते हैं। इंजन विकल्पों की बात करें तो सेल्टास में पेट्रोल, टर्बो पेट्रोल और डीजल इंजन उपलब्ध हैं, जो इसे एक बहुमुखी विकल्प बनाते हैं। वहीं, कुशाक में 1.0 लीटर और 1.5 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन दिए गए हैं।

सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट, सोना और चांदी की कीमत में मामूली कमी

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,59,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,45,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,60,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह

कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट की वजह से ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। वहीं एशियाई बाजार में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,473.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,343.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 395.65 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,975.35 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत उछल कर 10,466.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,115.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 281.79 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की छलांग लगा कर 24,888.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी शुरुआत से ही खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। दक्षिण कोरिया के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स में कोई बदलाव नजर नहीं हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,150.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 268.50 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की जोरदार उछाल के साथ 23,959.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 217.42 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,603.94 अंक के स्तर पर आ गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जबरदस्त छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,260.29 अंक यानी 2.98 प्रतिशत उछल कर 43,528.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 1,880.93 अंक यानी 2.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ 65,220 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,554.23 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,136.25 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत उछल कर 5,089.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

फ्रेंच ओपन 2026 :नोवाक जोकोविच ने पहले दौर में जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को हराया

पेरिस

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रिकार्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की अपनी चुनौती की शानदार शुरुआत करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 के पहले दौर में रविवार देर रात फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराया।

इस मुकाबले के साथ ही नोवाक जोकोविच पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में सबसे ज्यादा 82 बार खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर का रिकार्ड पीछे छोड़ दिया। हालांकि, रोलां गैरो में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत में जोकोविच अपने सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए।

फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड ने पहले सेट में शानदार खेल दिखाते हुए 6-5 की बढ़त बनाई और फिर दमदार ऐस लगाकर सेट अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही वह 17 वर्षों में पहले ऐसे खिलाड़ी बने जिन्होंने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में जोकोविच से सेट जीता।

मैच के बाद जोकोविच ने कहा

जियोवानी को बधाई। मैंने पहली बार उनके खिलाफ खेला और उनकी सर्विस को पढ़ना बेहद मुश्किल था। मेरे करियर में मैंने ऐसी सर्विस बहुत कम खिलाड़ियों की देखी है। तीसरे वरीय जोकोविच ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए निर्णायक मौकों का फायदा उठाया और मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने अपना आक्रामक खेल दिखाया और तीसरा सेट आसानी से जीत लिया।

चौथे सेट में जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को कलाई और हाथ में परेशानी के कारण उपचार लेना पड़ा। हालांकि उन्होंने संघर्ष जारी रखा, लेकिन जोकोविच ने 4-3 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण कर लिया और लगातार 22वीं बार फ्रेंच ओपन के पहले दौर में जीत दर्ज की।

जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा, यहां का माहौल शानदार था। दर्शकों से मुझे काफी ऊर्जा मिली।

न्यूज ब्रीफ

प्लेआफ के लिए वेंकटेश अय्यर को टीम में बनाए रखें आरसीबी : सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल प्लेआफ को लेकर

रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से कहा है कि उसे अंतिम एकादश में वेंकटेश अय्यर बनाये रखना चाहिये। सहवाग के अनुसार फिल साल्ट की संभावित वापसी के बाद भी वेंकटेश को टीम को रखना लाभ दायक रकेगा। साथ ही कहा कि फार्म से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को बाहर रखा जा सकता है। सहवाग का मानना है कि अय्यर के हाल के अच्छे दमदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें बाहर करना सही नहीं है। सहवाग के अनुसार वेंकटेश ने सीमित अवसरों के बाद भी इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस आईपीएल सीजन के 14 मैचों में उन्हें केवल चार बार बल्लेबाजी का मौका मिला, और ज्यादातर मौकों पर आरसीबी प्रबंधन ने उन्हें आपातकालीन स्थिति में मैदान पर उतारा।

राजस्थान रायल्स के खिलाफ एक मैच में जब आरसीबी 125 रन पर संघर्ष कर रही थी, ऐसे में इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस क्रिकेटर ने 15 गेंदों में तेजी से 29 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया था। इसके अलावा, उन्होंने दो और यादगार पारियां खेली हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ, कप्तान रजत पाटीदार के आउट होने के बाद, उन्हें फिर से कठिन हालातों स्थिति में नंबर चार पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला, जहां उन्होंने 40 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। चोटिल जैकब बेथेल की जगह पारी शुरु करते हुए भी वेंकटेश ने अच्छा प्रदर्शन किया और 19 गेंदों में 44 रन बनाकर अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलियाई कोच शेली निट्शके ने 2029 तक बढ़ाया कार्यकाल

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की मुख्य कोच शेली निट्शके ने टीम के साथ अपना अनुबंध

तीन साल के लिए बढ़ा लिया है। अब वह 2029 के मध्य तक आस्ट्रेलियाई टीम की मुख्य कोच बनी रहेंगी। यह घोषणा इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप से ठीक पहले सोमवार को की गई है। पूर्व आस्ट्रेलियाई आलराउंडर शेली निट्शके ने वर्ष 2022 में मैथ्यू मोट की जगह मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में आस्ट्रेलिया ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और 2023 महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। हालांकि हाल के वनडे और टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल तक ही पहुंच सकी थी। निट्शके के नए अनुबंध के तहत वह अगले चार बड़े टूर्नामेंटों में आस्ट्रेलिया की जिम्मेदारी संभालेंगी। इनमें 2026 और 2028 महिला टी20 विश्व कप, 2027 चैंपियंस ट्राफी और 2028 ओलंपिक शामिल हैं। इसके अलावा आस्ट्रेलिया 2027 में इंग्लैंड दौरे पर एशेज खेलेगा, जबकि 2029 में घरेलू एशेज सीरीज की मेजबानी करेगा। शेली निट्शके ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, इस टीम के साथ काम करना और इतने शानदार खिलाड़ियों व सपोर्ट स्टाफ के साथ आगे बढ़ना मेरे लिए गर्व की बात है। हमने साथ मिलकर काफी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन आने वाले वर्षों में यह टीम और भी बहुत कुछ कर सकती है। आगे कई बड़े टूर्नामेंट और चुनौतियां हैं, जिनके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। महिला टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन अनौपचारिक अभ्यास मैच खेलेगा। इसके बाद टीम इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ आईसीसी के अभ्यास मुकाबलों में उतरेगी। टी20 विश्व कप में आस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के साथ ग्रुप में रखा गया है।

विराट ने युवा मुकुल चौधरी को मैच फिनिशिंग पर दिये टिप्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी को जरुरी सलाह दी है। विराट ने मुकेश को मैच में फिनिशिंग की कला सिखाते हुए कहा है कि केवल छक्के मारना ही सब कुछ नहीं है। असली कौशल कठिन हालातों में लक्ष्य का पीछा करना है। उन्होंने कहा कि दबावा के बीच पारी को नियंत्रित करना और अपनी टीम को जीत तक ले जाना सबसे महत्वपूर्ण है। मुकुल ने कहा है कि कोहली ने उन्हें सलाह दी कि सिर्फ छक्के मारना ही किसी बल्लेबाज को महान नहीं बनाता, क्योंकि आजकल कई युवा खिलाड़ी ऐसा आसानी से कर सकते हैं। विराट ने जोर देकर कहा कि असली कलादबाव में मैच समाप्त करना है, मुश्किल लक्ष्यों का पीछा करते समय शांत रहना, बढ़ते रन रेट को संभालना और विकेट गिरने के बावजूद टीम को जीत की ओर ले जाना ही किसी खिलाड़ी को विशिष्ट बनाता है। चौधरी ने कहा, जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हमारा मैच देखा था और देखा था कि मैंने मैच को कैसे समाप्त किया। उन्होंने कहा कि छक्के मारना अब कोई बड़ी बात नहीं है। इस पीढ़ी का हर युवा बल्लेबाज छक्का मार सकता है। विराट ने साथ ही कहा, असली बात यह है कि मैच को कैसे समाप्त किया जाए।

वरुण चक्रवर्ती की जुझारू भावना को सलाम दर्द में भी टीम के लिए खेले : अजिंक्य रहाणे

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने खुलासा किया है कि टीम के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पैर की उंगली में फ्रैक्चर होने के बावजूद खेलने का फैसला खुद लिया था। रहाणे ने कहा कि वरुण की टीम के प्रति प्रतिबद्धता और जुझारूपन काबिल-ए-तारीफ है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को केकेआर के आखिरी लीग मैच के बाद रहाणे ने कहा कि वरुण को खिलाने का फैसला मेडिकल टीम की सलाह के बाद लिया गया था। उन्होंने बताया कि केकेआर के फिजियो, बीसीसीआई की एनसीए टीम और भारतीय टीम के मेडिकल स्टाफ के बीच इस मामले पर विस्तार से चर्चा हुई थी।

रहाणे ने कहा, मैं मेडिकल मामलों में दखल नहीं देता। मेरा काम सिर्फ यह देखना होता है कि खिलाड़ी का मानसिक स्तर कैसा है, वह खेलने के लिए तैयार है या नहीं और कितना जोखिम है। फिजियो का मानना था कि खेलने से वरुण की चोट और नहीं बढ़ेगी।

दरअसल, वरुण चक्रवर्ती को 3 मई को हैदराबाद में मैच के दौरान चोट लगी थी, जब ईशान किशन का सीधा शाट उनके बूट पर जा लगा। इससे उनके बाएं पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया। आईपीएल 2026 में यह उनका तीसरा फ्रैक्चर था, क्योंकि इससे पहले उनकी दो उंगलियां भी चोटिल हो चुकी थीं।

रहाणे ने कहा कि इतनी गंभीर चोट के बावजूद वरुण लगातार टीम के लिए खेलने को तैयार थे।

उन्होंने कहा, पूरा श्रेय वरुण को जाता है। ऐसी चोट में भी अगर खिलाड़ी खेलने की इच्छा दिखाता है तो यह बताता है कि टीम उसके लिए कितनी मायने रखती है। वह पूरी तरह खेलने के लिए तैयार थे।

उन्होंने आगे कहा, एक मैच में हमें उन्हें आराम देना पड़ा क्योंकि दर्द काफी ज्यादा था, लेकिन फिर भी वरुण का कहना था कि वह खेल सकते हैं। जब कोई खिलाड़ी खुद खेलने की इच्छा जताता है तो यह टीम और फिजियो के लिए सकारात्मक संकेत होता है।

मैं कभी पीछे हटने वालों में नहीं रहा : रहाणे

सीजन के दौरान केकेआर की लगातार हार और अपनी कप्तानी पर उठे सवालों को लेकर भी रहाणे ने खुलकर बात की। उन्होंने साफ कहा कि कप्तानी छोड़ने का विचार कभी उनके मन में नहीं आया।

रहाणे ने कहा, मैंने हमेशा सकारात्मक सोच के साथ क्रिकेट खेला है। मेरा मानना है कि जब टीम मुश्किल में हो, तभी आपके चरित्र की असली परीक्षा होती है। दबाव हर खिलाड़ी पर होता है, लेकिन जरूरी यह है कि आप घबराएं नहीं।

उन्होंने कहा कि लगातार हार के बावजूद टीम ने हार नहीं मानी और यही केकेआर की सबसे बड़ी ताकत रही। रहाणे ने कहा, हमारे लिए सबसे जरूरी था वर्तमान में बने रहना। क्रिकेट में चीजें कभी भी बदल सकती हैं। मैं कभी पीछे हटने वालों में नहीं रहा और कप्तानी छोड़ने का विचार मेरे मन में कभी नहीं आया।

भारतीय गेंदबाजों पर भरोसा करना पड़ा सही फैसला

रहाणे ने यह भी बताया कि सीजन के दौरान कई तेज गेंदबाज चोटिल हुए, लेकिन उन्होंने भारतीय गेंदबाजों पर भरोसा बनाए रखा। इसका फायदा टीम को बाद में मिला।

उन्होंने कहा, मैं भारतीय गेंदबाजों को समय देना चाहता था। मुझे भरोसा था कि अगर हम उनका समर्थन करेंगे तो वे दबाव में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। शुरुआती मैचों में हम कुछ मौकों का फायदा नहीं उठा सके, लेकिन टीम ने जिस तरह वापसी की, उस पर मुझे गर्व है। बता दें कि केकेआर को अपने आखिरी लीग मैच में दिल्ली के खिलाफ 40 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही केकेआर ने आईपीएल 2026 में 13 अंकों के साथ सातवें स्थान पर अपना अभियान समाप्त किया।

हेड की पत्नी जेसिका ने आनलाइन उत्पीड़न का आरोप लगाया

हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराद और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच हुए आईपीएल के अंतिम लीग मुकाबले में ट्रेविस हेड और विराट कोहली के बीच हाथ नहीं मिलाने को लेकर हुए विवाद के बाद जो हुआ उससे खेल की छवि को झटका लगा है। इस विवाद के बाद विराट के प्रशंसकों पर ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका को ट्राल करने का आरोप लगा है। इस विवाद के बाद, जहाँ कुछ ने विराट की खेल भावना पर सवाल उठाए तो कुछ ने उनका समर्थन किया, वहीं इसका सबसे शर्मनाक पक्ष ये रहा कि कि बिना किसी कारण के विराट के प्रशंसकों ने हेड की पत्नी जेसिका को आनलाइन उत्पीड़न का शिकार बनाया।

जेसिका ने हाल ही में खुलासा किया है कि इस विवाद के कारण उसे निशाना बनाया गया है। साथ ही कहा कि बिना किसी कारण से उन्हें न केवल व्यक्तिगत रूप से नफरत भरे कमेंट्स और संदेश मिल रहे हैं, बल्कि उनके दोस्त और परिवार के सदस्य भी इन आनलाइन हमलों का निशाना बन रहे हैं। इस घटना से ये भी सवाल उठा है कि प्रशंसकों की सीमाएं क्या होनी चाहिये।

यह पहली बार नहीं है जब जेसिका को इस तरह के खराब व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले उन्हें 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल के बाद भी आनलाइन उत्पीड़न झेलना पड़ा था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब भी आस्ट्रेलिया ने भारत को महत्वपूर्ण मैचों में हराया है, चाहे वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल हो या 2024 का बाक्सिंग डे टेस्ट, उन्हें इसी तरह की ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। जेसिका ने कहा कि वह और उनके पति तो इस सब का सामना कर लेते हैं पर जब जब उनके दोस्तों और परिवार को निशाना बनाया जाता है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

विराट और ट्रेविस हेड के बीच यह विवाद आरसीबी और सनराइजर्स के आखिरी लीग मैच में शुरू हुआ था। आरसीबी के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान कोहली और हेड के बीच जमकर बहस हुई थी। इस दौरान हेड ने कोहली को और अधिक आक्रामक शाट्स खेलने की चुनौती दी थी। इस पर कोहली ने भी पलटवार करते हुए हेड से खुद गेंदबाजी करने को कहा। जब कोहली आउट हुए, तो हेड ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें गेंदबाजी करने का अवसर ही नहीं मिला, जो शायद कोहली को बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसी घटना के बाद कोहली ने हेड से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था।

आईपीएल में चीयरलीडर्स के साथ अभद्र व्यवहार से खेल की छवि को झटका

लखनऊ। आईपीएल में यहां लखनऊ सुपरजायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए मैच में एक शर्मनाक वाकया भी देखने में आया है। । मैच के उत्साह के बीच, मैदान पर मौजूद चीयरलीडर्स के साथ अभद्र व्यवहार की घटना सामने आई, जिसने सभी स्तब्ध कर गये। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि कुछ शरारती लोगों ने अपनी मोबाइल नंबर लिखी पर्चियां चीयरलीडर्स की ओर फेंकीं। शुरुआत में, पेशेवर गरिमा बनाए रखते हुए चीयरलीडर्स ने इन हरकतों को नजरअंदाज किया पर जब हालत खराब हुए तो उन्होंने इसकी जानकारी सुरक्षाकर्मियों और पुलिस को दी। इस पूरी घटना से आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, महिला पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया। न सिर्फ भीड़ में शामिल उन लोगों को समझाने की कोशिश की, बल्कि अभद्र व्यवहार करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी।

कनाडियन ग्रां प्री में किमी एंटोनेली की लगातार चौथी जीत, बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

नई दिल्ली

मान्ट्रियल के सर्किट गिल्स विलेन्यूव में रविवार को आयोजित कनाडियन ग्रां प्री में किमी एंटोनेली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की। 19 वर्षीय एंटोनेली ने यह रेस जीतकर इतिहास रच दिया। मर्सिडीज के ड्राइवर एंटोनेली और उनके टीम साथी जार्ज रसेल के बीच रेस के दौरान जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। दोनों कई बार बढ़त बदलते रहे, खासकर 13वें लैप में दोनों के बीच रोमांचक टक्कर रही। हालांकि, 68 लैप की रेस के 30वें लैप में जार्ज रसेल की कार के पावर यूनिट में खराबी आ गई, जिससे उन्हें रेस बीच में छोड़नी पड़ी। एंटोनेली 1952 में अल्बर्टो अस्कारी के बाद लगातार चार रेस जीतने वाले पहले इतालवी ड्राइवर बन गए हैं। इसके साथ ही वह अपने करियर की शुरुआती चारों रेस लगातार जीतने वाले पहले फार्मूला-1 ड्राइवर भी बन गए हैं।

रेस जीतने के बाद एंटोनेली ने कहा, मैं इस तरह जीतना नहीं चाहता था। जार्ज के साथ शानदार मुकाबला चल रहा था, लेकिन जीत तो जीत होती है।

एंटोनेली ने 1 घंटा 28 मिनट 15 सेकंड में रेस पूरी की और फेरारी के लुईस हैमिल्टन को लगभग 11 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। रेड बुल के मैक्स वर्स्टैपेन तीसरे स्थान पर रहे।

अब तक इस सीजन की पांचों ग्रां प्री रेस मर्सिडीज ने जीती हैं। ड्राइवर्स चैंपियनशिप में एंटोनेली 131 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि जार्ज रसेल 88 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

अपनी कार में आई खराबी पर रसेल ने निराशा जताते हुए कहा, अचानक सब कुछ बंद हो गया। इंजन रुक गया, इलेक्ट्रानिक्स काम नहीं कर रहे थे और ब्रेकिंग भी सही नहीं थी। यह बेहद निराशाजनक है।

कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप में मर्सिडीज 219 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। फेरारी 147 अंकों के साथ दूसरे और मैकलारेन 106 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारतीय क्रिकेटरों की बहनें: स्टारडम और स्टाइल में किसी से कम नहीं

मुम्बई

आधुनिक क्रिकेट के इस दौर में खिलाड़ी सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी अपनी जिंदगी के हर पहलू को साझा करते हैं। वहीं प्रशंसक भी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की जिंदगी से लेकर परिवार से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात की जानकारी रखना पसंद करते हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य भी अक्सर सुर्खियां बटोरते नजर आते हैं। आज हम बात करेंगे भारतीय क्रिकेट जगत के ऐसे पांच सितारों की बहनों की, जिनकी लोकप्रियता और स्टारडम किसी बालीवुड अभिनेत्री से कम नहीं है और जिनकी अपनी एक अलग पहचान है। इसमें शुभमन गिल की बहन शहनील गिल से लेकर तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बड़ी बहन मालती चाहर और श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर व अर्जुन तेंदुलकर की बहन सारा तेंदुलकर शामिल है और अभिषेक शर्मा की बहन कोमल शर्मा शामिल हैं।

शुभमन गिल की बहन शहनील गिल - शहनील अपने ग्लैमरस लाइफस्टाइल और शानदार फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तगड़ी फैन फालोइंग है और वह एक सफल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की तरह लोकप्रिय हैं। शुभमन और शहनील का रिश्ता भाई-बहन से ज्यादा बेस्ट फ्रेंड्स जैसा है। दोनों अक्सर साथ में विदेश में छुट्टियां मनाते, स्टाइलिश तस्वीरें शेयर करते और एक-दूसरे के पोस्ट पर मजेदार कमेंट करते नजर आते हैं।

तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बड़ी बहन मालती चाहर - मालती चाहर एक

जानी-मानी माडल और एक्ट्रेस हैं। आईपीएल के दौरान स्टैंड्स में अपनी दिलकश अदाओं से वे रातों-रात मिस्ट्री गर्ल के रूप में इंटरनेट सेंसेशन बन गई थीं। मालती ने कुछ फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम किया है, जिससे उनकी पहचान और भी मजबूत हुई है। दीपक और मालती के बीच का बान्ड बेहद शरारती और प्यारा है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की टांग खींचते हुए फनी वीडियो पोस्ट करते हैं, जो उनके फैंस को खूब हंसाते हैं और उनके रिश्ते की गर्मजोशी दिखाते हैं।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर - श्रेष्ठा एक पेशेवर डांसर और कोरियोग्राफर हैं, जिनकी सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फालोइंग है। उनके डांस वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं और प्रसंसको को खूब पसंद आते हैं। श्रेयस और श्रेष्ठा के बीच का रिश्ता बेहद मजेदार और दोस्ताना है। दोनों भाई-बहन अक्सर एक-दूसरे के साथ मस्ती करते, प्रैंक करते और इंस्टाग्राम रील्स बनाते देखे जाते हैं, जो उनकी केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाता है।

अर्जुन तेंदुलकर की बहन सारा तेंदुलकर - सारा अपनी खूबसूरती, आकर्षक व्यक्तित्व और बेहतरीन फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर एक बड़ी स्टार हैं। उनके इंस्टाग्राम पर लाखों फालोअर्स हैं और वह कई बड़े ब्रांड्स के लिए माडलिंग भी करती हैं। अपने छोटे भाई अर्जुन के साथ सारा की बान्डिंग बेहद खास, प्यार भरी और काफी प्रोटेक्टिव है। वह अक्सर अर्जुन के मैचों के दौरान उन्हें सपोर्ट करती नजर आती हैं।

अभिषेक शर्मा की बहन कोमल शर्मा - कोमल भी सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। पेशे से डाक्टर (फिजियोथेरेपिस्ट) कोमल अपनी साधारण लेकिन आकर्षक पर्सनालिटी के लिए जानी जाती हैं। फैंस उन्हें खूब पसंद करते हैं और अक्सर आईपीएल मैचों के दौरान कोमल को सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी में अपने भाई को चीयर करते देखा जाता है, जो भाई-बहन के इस प्यारे रिश्ते की मिसाल है। ये पांचों बहनें सिर्फ अपने भाई के नाम से नहीं जानी जातीं, बल्कि इन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिभा और व्यक्तित्व के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

मोटी महिलाओं के बच्चों में होता है

ऑटिज्म का खतरा

मोटापे और मधुमेह की शिकार महिला के गर्भ में पल रहे शिशु में छठे महीने के दौरान आकार बढ़ने की पांच गुणा ज्यादा संभावना होती है। एक अध्ययन के अनुसार ऐसी महिलाओं के गर्भस्थ शिशू में ऑटिज्म का खतरा भी चार गुना बढ़ जाता है।

महिलाओं पर शोध के बाद सामने आया नतीजा

मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के बच्चों के 'ऑटिज्म' के साथ जन्म लेने का खतरा चार गुना अधिक रहता है। ये बात अनुसंधानकर्ताओं ने 1998 से 2014 के बीच मां और बच्चे की 2700 से अधिक जोड़ियों का अध्ययन करके पता लगाई है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह दोनों से ग्रस्त होने वाली मां जिन बच्चों को जन्म देती है, उनमें ऑटिज्म का खतरा स्वस्थ मां से पैदा हुए बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक होता है। वहीं गर्भवती महिला को इनमें से कोई एक समस्या, मोटापा अथवा मधुमेह होने पर बच्चों में ऑटिज्म का खतरा दोगुना होता है।

क्या है ऑटिज्म

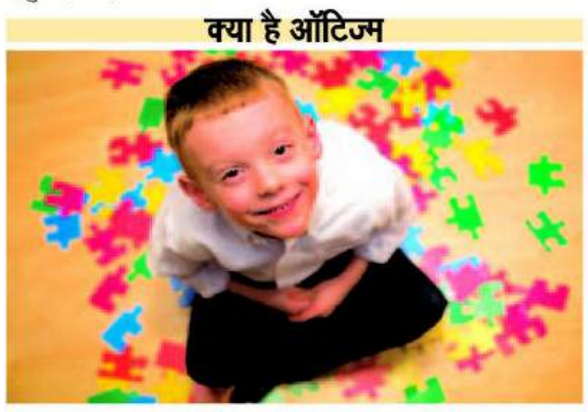

ऑटिज्म एक ऐसा रोग है, जिसमें रोगी बचपन से ही परिवार, समाज तथा बाहरी माहौल से जुड़ने की क्षमताओं को गंवा देता है। यह एक तरह का न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर है, जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है। इसे ऑटिस्टिक स्पैक्ट्रम डिसॉर्डर कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं या उनका आईक्यू सामान्य बच्चों की तरह होता है, लेकिन उन्हें बोलने और सामाजिक व्यवहार में दिक्कत होती है। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सीखने-समझने में परेशानी होती है और वे बार-बार एक ही तरह का व्यवहार करते हैं।

मेटाबालिक हेल्थ पर बुरा असर पड़ने का नतीजा

जनरल में प्रकाशित अपने लेख में कहा कि यह बहुत आश्चर्यजनक नहीं है। कई अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह से भ्रूण के विकास और उनके मेटाबोलिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि गर्भवती महिलाओं में मोटापा और मधुमेह जन्म लेने वाले बच्चे के तंत्रिका तंत्र के विकास पर भी प्रभाव डालता है। अध्ययन से हालांकि यह साबित नहीं होता है कि मां का मोटापा और मधुमेह बच्चे में ऑटिज्म की बीमारी का कारण बन सकता है। डा. वांग का कहना है कि इसे साबित करने के लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है।

एक्टिव रहें, धीमी शुरुआत करें

जो लोग आमतौर पर कसरत नहीं करते, उन्हें धीमी शुरुआत करनी चाहिए। उन्हें अपनी गति और कसरत का वक्त भी धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। हफ्ते में ढाई घंटे कोई शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य बनाएं। इसके लिए चाहें तो वॉकिंग भी की जा सकती है। हफ्ते में पांच दिन रोजाना आधा घंटा पैदल चलना अच्छा रहेगा। इसके साथ ही अगर वक्त की कमी के चलते आप एक साथ तीस मिनट नहीं चल सकते हैं।

नाखून चबाने से होती है ये लाइलाज बीमारी

हम अक्सर अपने आस-पास लोगों को नाखून और उसके आस-पास की स्किन चबाते देखते हैं। वैसे तो नाखून की स्किन चबाना हमें आम सी बात लगती है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि इस गंदी आदत की वजह से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। इससे पेट संबंधी परेशानी होना स्वाभाविक है। इससे पाचन शक्ति भी कमजोर होती है। नाखून चबाने से अन्य भयानक रोग भी हो सकते है।

क्रोध एक प्राकृतिक भावना है। ईसा पूर्व 200 वर्षो से 200 ईसवी तक के काल के बीच लिखे गए नाट्य शास्त्र में क्रोध को एक 'रस' या नैसर्गिक भाव कहा गया है।

आइए समझें गुस्से का मनोविज्ञान

अमेरिकन फिजियोलॉजिकल एसोसिएशसन ने 'गुस्से को विपरीत परिस्थितियों के प्रति एक सहज अभिव्यक्ति कहा गया है। इस उग्र प्रदर्शन वाले भाव से हम अपने ऊपर लगे आरोपों से अपनी रक्षा करते हैं। लिहाजा अपनी अस्तित्व रक्षा के लिए क्रोध भी जरूरी होता है। आधुनिक जीवनशैली किसी भी व्यक्ति को तनाव में धकेल सकती है। अब जबकि हजारों लोगों को अपने रोजगार और घरों से हाथ धोना पड़ रहा है और यहां तक कि सेवानिवृत्त लोगों की सुरक्षित राशियां भी बाजारी उथल-पुथल के कारण गायब होती जा रही हैं - इस लिहाज से इस काल को 'ऐज ऑफ एनग्जाइटी' या व्यग्रता का युग कहा जा सकता है। इसके विपरीत, यह भी सच है कि कुछ लोग चाहे उनकी आर्थिक या पारिवारिक स्थिति कैसी भी हो, हमेशा तनाव में रहते हैं। दरअसल, वह पैदाइशी तनावग्रस्त होते हैं।

क्या आपको गुस्से की समस्या है?

गुस्से को पहचानने की जरूरत है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें ये बातें है

- धैर्य की कमी
- खाना जल्दी खाना
- बैचेनी
- काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन
- गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना

गुस्से पर करें काबू

- गुस्से पर नियंत्रण रखने के लिए बेहतर है कि आप सकारात्मक और क्रिएटिव काम करें
- गुस्सा होने पर किसी म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट को बजाएं
- कमरे को साफ करें, पिक्चर देखने जाएं, थोड़ा घूम आएं
- कुछ भी ऐसा करें जिससे आपका ध्यान कुछ देर के लिए बंट जाएं
- मजाक तनाव दूर करने का सबसे बेहतर तरीका है।
- शोध दर्शाते हैं कि तनाव को दूर करने के लिए पानी पीना चाहिए। यह तनाव को दूर करता है
- समय पर खाना खाने से, कसरत करने से और पर्याप्त आराम करने से गुस्सा कम आता है
- योगा, मेडिटेशन और कांगनेटिव तकनीक भी तनाव और गुस्से को दूर करने में कारगर है

ज्यादा टीवी देखना

हिंसक प्रोगाम देखना, क्राइम शो आदि बच्चों के मन-मस्तिष्क को पूरी तरह प्रभावित करते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कई बार युवा हिंसा के प्रति संवेदनशील नहीं रहते और उन्हें किसी कार्य का प्रतिरोध करने के लिए गुस्सा नाजायज नहीं लगता।

बेचैनी और तनाव भी बढ़ाते हैं क्रोध

तनाव डर से अलग होता है। इनसान या किसी अन्य जीवित प्राणी को डर उसके सामने मौजूद किसी चीज से लगता है। इसके विपरीत तनाव में व्यक्ति अपनी निर्णय करने की क्षमता को लेकर उलझा रहता है। व्यक्ति इस दौरान 'तब क्या होगा' के भंवर में फंसकर रह जाता है। लेकिन जब डर कामकाज से उलझने लगता है तो तनाव 'क्लीनिकल एनग्जाइटी डिसॉर्डर' का रूप ले लेता है, जिसके अपने कई रूप हैं जिनमें पैनिक, सोशल एनग्जाइटी, फोबिया, ऑब्सेसिव-कम्पलसिव, पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस और सबसे ऊपर एनग्जाइटी डिसॉर्डर हैं। चिंता दिमाग में एमिग्डला में अत्यधिक हलचल के कारण उत्पन्न होती है जो दिमाग के बीच का हिस्सा होता है। दिमाग का यह हिस्सा नएपन और किसी खतरे का सामना होने की सूरत में सजग होता है। अपने साधारण कामकाज के दौरान एमिग्डला नए वातावरण के प्रति शारीरिक क्रियात्मक उत्तर देता है। इस क्रिया में भावनात्मक अनुभवों की स्पष्ट यादें होती हैं। लेकिन कगान के अध्ययनों के मुताबिक विशिष्ट मानसिक बनावट वाले लोगों में एमिग्डला अतिक्रियात्मक होता है।

दिमाग को ठंडा रखें

अकसर गुस्से के दौरान किसी को समझाने के लिए कहा जाता है कि अपने दिमाग को ठंडा रखो। हाल ही एक शोध में एक बात सामने आई है कि अगर दिमाग को ठंडा रखा जा सकें तो हृदय और पक्षाघात के खतरों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। छात्र हैरिस ऐसे ही शोध में लगे हुए है। उन्होंने ऐसा कूल हेलमेट डिजाइन किया है जो कि हाइपरथैमिया को प्रेरित करने के काम आता है। आप भी इस बात से वाकिफ होंगे कि माथे पर ठंडा कपड़ा रखने से सिरदर्द में आराम मिलता है।

ये हैं गुस्से के प्रमुख कारण

नींद

सोना अचेतन की अवस्था होती है। सोने से शरीर के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। सोने के दौरान लगातार इस्तेमाल होने वाले मांसपेशियां और जोड़ रिकवर होते हैं। रक्तचाप कम होता है और हृदय गति कम होती है। उसी दौरान शरीर में ग्रोथ हार्मोन का स्रवण होता है। इस दौरान ही दिमाग रोजमर्रा की सूचनाओं को एकत्रित करने का काम करता है। तनाव, लंबे समय तक कार्य, जीवनशैली के कारण सोने की समस्याएं होती है। बिना पूरी नींद के दिमाग और शरीर सही तरीके से फंक्शन नहीं कर पाता। पर्याप्त नींद न लेने से कई तरह की बीमारियां होती है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद और आराम आवश्यक है।

पूरी नींद लें

- कॉफी, चाय, कोला, चॉकलेट का सेवन सीमा में करें। निकोटीन, एल्कोहल और कैफीन से आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती।
- अपने दिमाग और शरीर को रिलैक्स होने का समय दें।
- मेडिटेशन करें, किताब पढ़ें, संगीत सुनें और एरोमाथेरेपी करें।
- सोने और जागने की दिनचर्या बनाएं।

शारीरिक अवस्था- कुछ स्थितियां जैसे कि एडीडी (एडिशन डेफिसिट डिअसॉर्डर)की वजह से लोग चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। हार्मोनल असुंतलन और हृदय रोगों की वजह से भी लोग जल्दी आपा खो बैठते हैं।

अकेलापन

किसी नई जगह पर अकेले रहना गुस्से का एक कारण होता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जिन लोगों के दोस्त कम होते हैं सामान्यतः उन्हें गुस्सा जल्दी आता है। ऐसे बच्चे जो कि न्यूक्लियर फैमिली में पैदा होते हैं और उनके माता या पिता में से कोई एक मानसिक रूप से पीड़ित होता है। मानसिक अनियमितता की वजह से वे गुस्सैल हो जाते हैं। वे गाली देने लगते हैं, भाई-बहन से मारपीट करने लगते हैं, चीजों को तोड़ते हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि अगर आपका बच्चा गुस्सा ज्यादा करता है मतलब वह कहीं न कहीं हताश है।

महत्वाकांक्षा

कारपोरेट दुनिया ने प्रगति के दो पैमाने बना दिए है पहला प्रदर्शन और दूसरा कम समय में काम को बेहतर तरीके से कर सकने की क्षमता। इस पैरामीटर पर खरा उतरने की कोशिश में कई बार लोग हताश और गुस्सैल प्रवृत्ति के हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि दूसरों की भावनाओं की वद्र न करना, लोगों के अभिवादनों के प्रति संवदेनशीलता कम होना, भौतिक सुख-साधनों को पाने का लालच ज्यादा बढ़ना हमेशा गुस्से का कारण बनता है। आज के दौर में कई प्रोफेशन ऐसे हो गए हैं जिनमें कई बार उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ता है और उनकी सही-गलत बातों को मुस्कराकर सुनना पड़ता है। ऐसे में कई बार कुछ न कह सकने की हताशा गुस्से में परिणित हो जाती है।

गुस्सा बिगाड़ता है सेहत

गुस्सा वातावरण को तो खराब करता ही है। आपकी सेहत को भी नुकसान पहुंचाता है। गुस्सैल लोगों के फेफड़ों का फंक्शन खराब करता है साथ ही इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है।

इसकी वजह से आप तनाव से होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। गुस्सैल व्यक्ति खुद को तो नुकसान पहुंचाता है, अपने आसपास के माहौल को भी बिगाड़ता है। एक बुरा पहलू ये है कि गुस्सा करने वाले व्यक्ति को इस बात का इल्म तक नहीं होता कि वह गुस्सा है लेकिन सुखद पक्ष ये है कि गुस्से को नियंत्रित और मैनेज किया जा सकता है।

इस पैशन से पचास बीमारियां

नौजवानों का पैशन है बाइक ड्राइविंग। हैवी ट्रैफिक के बीच घंटों तेज रफ्तार में ड्राइविंग जिस्म पर भारी पड़ती है और दिमाग पर भी। शहरी बाइकर्स के लिए तो यह समस्या और अधिक है क्योंकि शहर की भीड़-भाड़ ड्राइविंग को न सिर्फ जोखिम भरा बना रही है, बल्कि सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। जिस्म और दिमाग दोनों इसके शिकार हो रहे हैं।एक अंदाजा है कि महानगरों में नौजवान रोजाना औसतन 60 से 100 किलोमीटर तक बाइक भगाते हैं। लड़कियां भी इस मामले में कहीं पीछे नहीं हैं। लड़कियां रोजाना 40 से 60 किलोमीटर तक गाड़ी चलाती हैं। अब तो स्कूल-कॉलेज जाने के लिए भी लड़के-लड़कियां दुपहिए दौड़ाने लगे हैं। इन सबका नतीजा यह हो रहा है कि छोटी उम्र में ही दस तरह की शारीरिक व मानसिक परेशानियां होने लगी हैं।

आंखों को लगी नजर

बाइक सवारों की आंखों को बहुत कुछ झेलना पड़ता है जैसे धूप, हवा, धूल, धुआं और यहां तक कि हवा में उड़ने वाले कीट-पतंगे भी। आंखों में बहुत ज्यादा हवा, धूल, धूप लगने से 'टरेजियम' की समस्या पैदा हो जाती है। इससे आंखो से लिसलिसा पदार्थ निकलने लगता है जिसकी वजह से जलन, खुजली और लालिमा की समस्या पैदा हो जाती है। वहीं लगातार ड्राइव करने की वजह से आंखें शुष्क हो जाती हैं और उनमें जलन होने लगती है। कई बार ड्राइव करते समय दिखना भी बंद हो जाता है।

टेढ़े बैठे तो नाजुक गर्दन गई

करीब दस हजार लोगों में शोध करने पर पाया गया कि गर्दन की समस्याएं अक्सर ठीक ढंग से सवारी (बॉडी का सही पॉस्चर न होना) न करने की वजह से होती हैं। इसमें हेल्मेट को ठीक से न पहनना एक बड़ा कारण माना जाता है। इसकी वजह से कभी-कभी गर्दन में दर्द होने लगता है। ऐसा खासकर तब होता है जब हेल्मेट सिर पर काफी आगे की तरफ हो। अगर हेल्मेट आगे की ओर से नीचे झुका हुआ है तो बाइक सवार को सामने देखने के लिए अपना सिर उठाकर रखना पड़ता है।

कॉरपल टनल सिंड्रोम के लक्षण

- सिर एवं अंगुलियों में दर्द, हाथ एवं पैर की अंगुलियों में सिहरन, अंगुलियों का सुन्न होना, ग्रिप (पकड़) का ढीला होना, हाथों और कलाइयों में दर्द की शिकायत का बढ़ना आदि।

बचाव के टिप्स

- लेटते समय अपने हाथ के नीचे तकिया रखें।
- अपने हाथों का अत्याधिक इस्तेमाल न करें।
- केवल एक ही हाथ से काम न करें।

ऐसे करें बचाव

ज्यादा बाइक चलाने से होने वाले पीठ दर्द से बचा जा सकता है। लगातार एक घंटा बाइक चलाने से बचें। अगर किसी वजह से एक घंटे से अधिक बाइक चलानी पड़ भी रही है तो बीच में एक ब्रेक लें। रुक कर अपनी टांगों की स्ट्रैचिंग करें। ड्राइव करते वक्त अपनी पोजीशन समय समय पर बदलते रहें। ध्यान रखें कि ऐसा करते समय वाहन पर आपके नियंत्रण में कोई कमी न आए। रेड लाइट शरीर को आराम देने के लिए सही जगह है, जहां आप अपने हाथों, कंधों और पैरों को हिला-डुला कर उन्हें सुन्न होने से बचा सकते हैं।

क्लच से कलाई का कबाड़ा

यह कलाई और हाथों में होने वाला एक दर्द विकार है। कॉरपल टनल हाथों की पतली हड्डियों और कलाई के ऊतकों द्वारा बनाई गई एक सुरंग है। यह सुरंग आपकी मंझली तंत्रिका की हिफाजत करती है। मंझली तंत्रिका अंगूठे, तर्जनी, मध्यमा और अनामिका तक संवेदन का अहसास कराती है, लेकिन जब कलाई की नाजुक हड्डियों और स्नायु पर दबाव पड़ता है तो सूजन बढ़ने लगती है। दबाव पड़ने की सूरत में इससे संबंधित विभिन्न हिस्से सुन्न पड़ने लगते हैं। बाइक चलाने वालों में यह समस्या अधिक देखने में आती है। अंगुलियों का सुन्न होना एक खतरनाक लक्षण है। अक्सर इसका संबंध कॉरपल टनल सिंड्रोम से होता है। बाइक चलाते समय कलाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कैसे करें बचाव

- ड्राईविंग करते समय अपना पॉस्चर सही रखें।
- यह सुनिश्चित करें कि बाइक चलाते वक्त आपका हेल्मेट आपके सिर पर ठीक तरीके से फिट हो और उसका झुकाव आगे की ओर न हो।
- गाड़ी चलाते वक्त भारी बैग को अधिक समय तक एक ही कंधे पर ना लटकाए रहें। उसे दोनों कंधों पर बारी-बारी से टांगें।
- मसाज कराने और गर्म पानी से नहाने से रोगी को तात्कालिक आराम मिल सकता है।
- पर्याप्त मात्र में कैल्शियम और विटामिन डी लेना चाहिए तथा नियमित रूप से व्यायाम करें।
- यदि आपके कंधे में सूजन, अंगुली में झनझनाहट, गर्दन दर्द या सिर दर्द है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें क्योंकि इसका संबंध आपकी बाइक ड्राइविंग से हो सकता है।

रेसिपी

सोया दही वड़ा!

सामग्री

1 कप सोयाबीन सोया बड़ी, 2 - आलू (उबलें), 1 - प्याज (बारीक कटा हुआ) , 2 - हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) , 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर , 1/4 टी स्पून अदरक कूटा हुआ , 1/4 कप ब्रेड , क्रम्ब्स स्वादानुसार,नमक , दही के लिए सामग्री, 1 टीस्पून राई ,1 टीस्पून उडद दाल, 1 टीस्पून अदरक, कद्दूकस किया हुआ, 7-8 करीपत्ते , 2 कप बटरमिल्क ,4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर , आधा टीस्पून चाट, मसाला , तेल व घी

विधि

एक बाउल लें उसमे स्टफिंग की सभी सामग्री को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बना लें। अब इन गोलों को सुनहरा होने तक सेंकें। अब तैयार गोलों को अलग रख दें। अब एक पैन ले इसमें घी डालें और गर्म होने पर राई डाले। फिर इसमें उडद दाल, करीपत्ता डालें। फिर इसे भी अलग रख दें। अब दही का मिश्रण तैयार करने के लिए बटरमिल्क को अच्छे से फेंट लें फिर इसमें सभी मसाले और नमक को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को बाउल में डालकर इसमें तैयार गोलों को डालें। ऊपर से इसमें इमली की चटनी डालें और 20 मिनट के लिए फ्रिज में रखे। अब लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला से गार्निशें करके सर्व करें।

आलू की खीर

सामग्री

दूध आधा लीटर
आलू 1
शक्कर स्वादानुसार
थोड़ा सा केसर
मिक्स ड्रायफ्रूट्स 2 टेबलस्पून कटे हुए

विधि

सबसे पहले दूध को गाढा होने तक उबालते रहें। अब आलू को मीडियम साइज में काट लें। आलू को काटने के बाद में इनहें घी में लाइट फ्राई करें। अब इसमें केसर व शक्कर मिलाकर शक्कर के पिघलने तक पकाएं। फ्राई किए हुए आलू व ड्रायफ्रूट्स मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। अब आलू की खीर को फ्रिज में ठंडा करने के लिए रखें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**